दैनिक
# लोकप्रदेश

RNI NO. MPHIN/2016/69135

वर्ष-10 | अंक-112 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, मंगलवार 12 मई 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

दस्यु उन्मूलन, नक्सल विरोधी अभियानों, साम्प्रदायिक सद्भाव और कानून व्यवस्था बनाये रखने में योगदान देने वालों को किया गया पुरस्कृत

## प्रदेश पुलिस ने अटूट साहस और कर्तव्यनिष्ठा के बल पर बनाई विशेष पहचान : मुख्यमंत्री

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश पुलिस के अधिकारी और कर्मचारियों ने अपने अटूट साहस और कर्तव्यनिष्ठा के बल पर अपनी विशेष पहचान बनाई है। पुलिस के भरोसे पर ही सरकार सुशासन के मार्ग पर चलती है। राज्य की शांति और सुरक्षा व्यवस्था देशभक्ति और जनसेवा में समर्पित पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को सम्मानित कर मैं स्वयं गर्व का अनुभव कर रहा हूँ। यह पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों की दक्षता, योग्यता और क्षमता का ही परिणाम है कि उन्हें के.एफ. रुस्तमजी पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है।

### पुलिस कर्मियों को उनके जिले में आवास उपलब्ध कराये जायेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज दो वर्ष के पुरस्कार एक साथ दिये जा रहे है। कर्तव्यनिष्ठा और असाधारण कार्य के लिए प्रोत्साहन स्वरूप दिये जाने वाले यह पुरस्कार आगामी वर्षों में प्रति वर्ष प्रदान किये जायें। यह सुनिश्चित किया जाये कि पुरस्कार वितरण में भविष्य में विलंब न हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा प्रदान किए जाने वाले पुरस्कारों की राशि बढ़ाने को मंजूरी दी गई है। पहले पुलिस महानिदेशक (डीजी) स्तर पर 25 हजार रूपये तक के पुरस्कार दिए जाते थे, जिसे अब बढ़ाकर 50 हजार रूपये कर दिया गया है, जिससे उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों का और अधिक उत्साहवर्धन हो सके।

### पद्मविभूषण के.एफ. रुस्तमजी पुलिस कर्मियों के लिए प्रेरणा पुंज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी पद्मविभूषण के.एफ. रुस्तमजी का स्मरण करते हुए कहा कि वे पुलिस कर्मियों के लिए प्रेरणा पुंज रहेंगे। प्रदेश में चम्बल के बीहड़ों से डाकुओं के गिरोहों का सफाया कर जनता को भयमुक्त करने की चुनौती हो या नागपुर दंगों पर नियंत्रण का विषय हो। उन्होंने हर समस्या का बखूबी सामना किया। रुस्तमजी के मार्गदर्शन में ही सीमा सुरक्षा बल की नीव रखी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रदेश की सुरक्षा में प्राण प्रण से जुटे 101 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए के.एफ रुस्तम पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है। यह पुरस्कार उन वीरों को मिल रहे है.

टीएमसी 31 सीटों के नतीजों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची-कहा

## यहां जीत का अंतर एसआईआर में कटे वोटों से कम, कोर्ट बोला- नई याचिकाएं लगाएं

**नई दिल्ली/कोलकाता।** पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान काटे गए वोटों के मुकाबले विधानसभा सीटों में जीत के कम अंतर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में नई याचिकाएं दाखिल की जा सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और अन्य लोगों को इस संबंध में नई याचिकाएं दायर करने की अनुमति दे दी है।

### चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में क्या कहा?

इस मामले में चुनाव आयोग ने सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष अपना पक्ष रखते हुए कहा कि ऐसे दावों के लिए चुनाव याचिका ही एकमात्र उचित माध्यम है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि वह एसआईआर से संबंधित मुद्दों और वोट जोड़ने या हटाने के खिलाफ होने वाली अपीलों के लिए जवाबदेह हो सकता है।सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने इन दलीलों पर ध्यान देते हुए याचिकाकर्ताओं को राहत प्रदान करते हुए नई याचिकाएं दायर करने का अवसर दिया। यह निर्णय चुनावी प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

## बांग्लादेश सीमा पर बाड़ेबंदी के लिए बीएसएफ को मिलेगी जमीन

**नई दिल्ली।** पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन के साथ ही कई नए फैसले लिए जा रहे हैं। सोमवार को बंगाल कैबिनेट की बैठक के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने एलान किया कि अब पश्चिम बंगाल से लगी बांग्लादेश की सीमा पर बाड़ेबंदी (फेंसिंग) के लिए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को जमीन दी जाएगी। सीएम ने कहा कि भूमि एवं राजस्व विभाग और मुख्य सचिव को अगले 45 दिनों के अंदर प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया गया है। इसी के साथ उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने अवैध घुसपैठियों के हित में केंद्र और अदालतों के निर्देशों की अनदेखी की थी। भारत और बांग्लादेश करीब 4,096 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं। यानी जमीनी सीमा के मामले में भारत का सबसे बड़ा बॉर्डर बांग्लादेश से ही लगता है, जबकि इस मामले में दूसरा स्थान चीन का है, जिससे भारत की करीब 3500 किमी सीमा लगती है। भारत-बांग्लादेश की यह सीमा दुनिया की छठी सबसे लंबी जमीनी सीमा भी है। यह सीमा समतल मैदानी इलाकों, नदी-नालों वाले क्षेत्रों, पहाड़ियों और जंगलों से होकर गुजरती है। इस सीमा को रेडक्लिफ लाइन नाम दिया गया है। भारत के पांच राज्य और बांग्लादेश के छह डिवीजन यानी प्रभाग इस सीमा के दोनों ओर स्थित हैं।

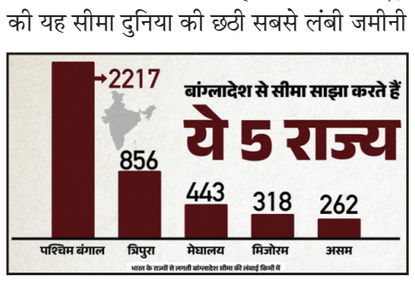


पोकरण परमाणु परीक्षण पर मोदी बोले-

## दुनिया हिल गई थी, विश्वभर की शक्तियां भारत को दबोचने मैदान में उतरीं, हम डटे रहे, डरे नहीं

**जामनगर।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को गुजरात के सोमनाथ मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के 75 साल पूरे होने के मौके पर कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा- आज का दिन एक और वजह से भी खास है। आज के ही दिन 11 मई 1998 को देश ने पोकरण में परमाणु परीक्षण किया था। तब दुनिया भर की शक्तियां भारत को दबोचने मैदान में उतर गई थीं। पीएम ने कहा- भारत के लिए सारे रास्ते बंद कर दिए गए थे। लेकिन हम डरे नहीं, डटे रहे। भारत ने पोकरण परमाणु परीक्षण को ऑपरेशन शक्ति नाम दिया था। क्योंकि शिव के साथ शक्ति आराधना ही हमारी परंपरा रही है।

### मुझे देश के तीर्थस्थलों के विकास का मौका मिला

पीएम ने कहा- आजादी के बाद सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निमाण की कोशिश की। उन्हें इसके लिए नेहरू का विरोध झेलना पड़ा। लेकिन ये सरदार साहब की इच्छाशक्ति थी कि वे डिगे नहीं। सोमनाथ फिर से बना और देश ने सदियों के कलंक को धो दिया। प्रधानमंत्री ने कहा- आज मुझे देश के सभी तीर्थों के विकास का मौका मिला है। यह सोमनाथ का ही आशीर्वाद है। विश्वनाथ, ओंकारेश्वर, केदारनाथ धाम का विकास हुआ है। अयोध्या में भव्य मंदिर में रामलला विराजमान हैं। ऐसे कितने ही तीर्थस्थल हैं जिनकी महिमा पुराणों में सुनी हैं। आज हमें उस समृद्ध परंपरा के दर्शन होने लगे हैं। ये सब 10-12 साल के अंदर हुआ है।

### सरदार ने भारत का स्वरूप गढ़ा था

प्रधानमंत्री ने कहा- 75 साल पहले आज के ही दिन सोमनाथ मंदिर की पुनर्स्थापना साधारण अवसर नहीं था। 1947 में देश आजाद हुआ था तो 1951 में सोमनाथ की प्राण-प्रतिष्ठा ने भारत की स्वतंत्र चेतना का उद्घोष किया था। मोदी ने कहा- आजादी के समय सरदार साहब ने 500 से ज्यादा रियासतें जोड़कर एक भारत का स्वरूप गढ़ा था। साथ ही सोमनाथ के पुनर्निर्माण से उन्होंने बताया था कि भारत केवल अजाद ही नहीं हुआ है बल्कि अपनी विरासत के गौरव को भी समेट रहा है।

जनता पर महंगाई की मार...

## जेब पर भारी पड़ेगा एफएमसीजी संकट, साबुन-बिस्कुट और राशन के दाम बढ़ने के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी

रोजमर्रा के सामान साबुन, डिटर्जेंट, बिस्कुट, पैकेट बंद खाद्य पदार्थों के महंगे होने से आम जनता को जल्द महंगाई का झटका लग सकता है। कच्चे तेल से जुड़ी महंगाई, पैकेजिंग सामग्री और ईंधन लागत में बढ़ोतरी के कारण मुनाफे पर पड़ रहे दबाव को कम करने के लिए फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) कंपनियां उत्पादों की कीमतें फिर बढ़ाने की तैयारी में हैं। यह वृद्धि चरणबद्ध तरीके से होगी। हिंदुस्तान यूनिलीवर लि. के मुख्य वित्त अधिकारी निरंजन गुप्ता ने कहा, हम पर महंगाई का 8 से 10त्न का बोझ पड़ा है। हमने कीमतों में 2त्न से 5त्न तक की वृद्धि की है। अगर कमोडिटी की कीमतों में दबाव बना रहा, तो कंपनी आगे और दाम बढ़ा सकती है। डाबर इंडिया के वैश्विक सीईओ मोहित मल्होत्रा ने कहा, कंपनी चालू वित्त वर्ष में 10त्न महंगाई का सामना कर रही है। कंपनी विभिन्न श्रेणियों में 4त्न तक दाम बढ़ा चुकी है। लागत नियंत्रण के उपाय भी कर रही है। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज के सीईओ रक्षित हरगोव ने कहा, ईंधन और पैकेजिंग लागत में करीब 20 फीसदी वृद्धि हुई है। कंपनी सीधे दाम बढ़ाने और पैकेट के वजन घटाने दोनों विकल्पों पर विचार कर रही है। बड़े पैक वाले उत्पादों की कीमतें बढ़ेंगीं। नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मनीष तिवारी ने कहा, मौजूदा समय बहुत अस्थिर है। यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि अगले दो महीने में क्या होने वाला है।

### कंपनियों का क्या कहना है?

कंपनियों के अधिकारियों ने हालिया तिमाही नतीजों के दौरान संकेत दिया कि वे पहले ही तीन से पांच फीसदी तक कीमतें बढ़ा चुके हैं। लागत का दबाव बने रहने पर आगे भी वृद्धि हो सकती है। कंपनियों का कहना है कि ईरान संघर्ष के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होने से कच्चे माल, लॉजिस्टिक्स व पैकेजिंग लागत बढ़ी है। डॉलर के मुकाबले रुपये में कमजोरी ने भी दबाव बढ़ाया है। इसका असर खाद्य उत्पादों, सौंदर्य प्रशाधन, पेय पदार्थ व घरेलू उपयोग के सामान सहित कई क्षेत्रों पर दिखाई दे रहा है। कंपनियां लागत के दबाव से निपटने और मुनाफा बनाए रखने के लिए पैकेट बंद उत्पादों में मात्रा घटाने की रणनीति भी अपना रही हैं।

## भोपाल में एसीपी ने रिश्वत लेते आरक्षक को पकड़ा

**भोपाल।** भोपाल में पुलिस कमिश्नर से शिकायत के बाद विभाग ने अपने ही स्टाफ पर कार्रवाई की है। कोहेफिजा थाने के आरक्षक यशपाल तोमर और एफआरवी के एक ड्राइवर को रिश्वत लेते हुए ट्रैप किया गया। कार्रवाई एसीपी अनिल वाजपेयी ने की। आरोपी आरक्षक मकान मालिक और किराएदार के विवाद में कार्रवाई के बदले पैसे मांग रहा था। मामला मकान मालिक और किराएदार के बीच विवाद से जुड़ा है। आरोप है कि आरक्षक यशपाल तोमर विवाद सुलझाने या किराएदार के पक्ष में कार्रवाई के बदले 50 हजार रुपए मांग रहा था। शिकायत मिलने के बाद पुलिस कमिश्नर ने जांच के निर्देश दिए। इसके बाद एसीपी अनिल वाजपेयी के नेतृत्व में टीम ने आरक्षक और ड्राइवर को रिश्वत लेते हुए पकड़ा। कोहेफिजा पुलिस ने आरोपी आरक्षक को हिरासत में लिया है। ड्राइवर को पद से हटा दिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बन रहे नए रिश्ते...

## टीवीके को इंडिया गठबंधन में लाना चाहती है कांग्रेस

नई दिल्ली, एजेंसी

विधानसभा चुनावों के नतीजों ने इंडिया गठबंधन की दिशा व दशा दोनों पर असर डालना शुरू कर दिया है। आपसी मतभेद सतह पर आ रहे हैं, तो नए रिश्ते बन और बिगड़ भी रहे हैं। भाजपा के बढ़ते असर से पुराने क्षेत्रीय दलों का आधार प्रभावित हो रहा है। ऐसे में कांग्रेस सत्ताधारी टीवीके को इंडिया गठबंधन में लाने की कोशिश में है। द्रमुक कांग्रेस के अचानक टीवीके के साथ जाने से बेहद नाराज है। उधर कांग्रेस टीवीके साथ आने वाले निकाय चुनाव ही नहीं, 2029 के लोकसभा चुनाव में गठबंधन करने की रणनीति बना रही है। द्रमुक प्रमुख एमके स्टालिन ने शनिवार को टीवीके का साथ देने वाले गैर कांग्रेसी छोटे दलों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने एक ही दिन में द्रमुक के साथ अपने संबंध तोड़ लिए। इस बीच वामपंथी दल इंडिया गठबंधन में द्रमुक को बनाए रखना चाहते हैं। पर कोई हैरत नहीं कि आगे द्रमुक भाजपा के नजदीक जाते दिखे।

### यूपी में विपक्षी एकता की परख

बंगाल में सत्ता से बाहर होने के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने एक बार फिर भाजपा के खिलाफ विपक्षी दलों की एकजुटता की बात करने लगी हैं। कांग्रेस व तृणमूल के तल्ख रिश्ते अब ठीक होते दिखते हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव कांग्रेस को लेकर सशंकित हैं। उन्होंने इसका संकेत दे दिया है।

होर्मुज पर मंडराया खतरा

## ट्रंप ने ठुकराया ईरान का जवाब युद्धविराम वार्ता पर बढ़ा तनाव

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव एक बार फिर बढ़ता दिखाई दे रहा है। ईरान ने युद्धविराम को लेकर अमेरिका के नए प्रस्ताव का जवाब पाकिस्तान के माध्यम से भेज दिया है, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे तुरंत खारिज करते हुए पूरी तरह अस्वीकार्य बताया। हालांकि ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि प्रस्ताव में ऐसी कौन-सी बातें थीं जिन्हें अमेरिका मानने को तैयार नहीं है। होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षा को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव चरम पर पहुंच गया है। ईरान ने स्पष्ट शब्दों में ब्रिटेन और फ्रांस के उस साझा प्रयास का विरोध किया है, जिसका उद्देश्य युद्ध की समाप्ति के बाद इस क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना है। हाल के दिनों में फारस की खाड़ी में वाणिज्यिक जहाजों पर हुए हमलों ने इस तनाव को और हवा दे दी है। ईरान के उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने सोशल मीडिया के माध्यम से संदेश जारी किया है।

### तेहरान की मांगें

ईरान ने कहा है कि वह सिर्फ अस्थायी नहीं बल्कि स्थायी रूप से युद्ध खत्म करना चाहता है। तेहरान की मांग है कि संघर्ष सिर्फ ईरान तक सीमित न रहे, बल्कि लेबनान समेत पूरे क्षेत्र में शांति स्थापित हो। ईरान चाहता है कि समुद्री व्यापार और तेल आपूर्ति के रास्तों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जाए।

युद्ध के साइड इफेक्ट | सैटेलाइट तस्वीरों में फारस की खाड़ी में समुद्र की सतह पर तेल के बड़े-बड़े धब्बे दिखाई दिए

## स्टोरेज खत्म, समुद्र में तेल बहाने को मजबूर ईरान

**नई दिल्ली (एजेंसी)**

अमेरिका और इजरायल के साथ जारी युद्ध के बीच ईरान गंभीर तेल संकट का सामना कर रहा है। ईरान हर दिन 30 लाख बैरल से ज्यादा कच्चे तेल का उत्पादन करता है, जिसका अधिकांश हिस्सा खार्ग द्वीप स्थित उसके मुख्य एक्सपोर्ट टर्मिनल से भेजा जाता है।

लेकिन स्ट्रेट ऑफ होर्मुज और ईरानी बंदरगाहों पर अमेरिकी नौसेना की नाकेबंदी के कारण फारस की खाड़ी से तेल टैंकर बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। इस कारण ईरान अपना तेल दूसरे देशों को नहीं बेच पा रहा और प्रोडक्शन जारी रहने की वजह से उसके पास तेल स्टोर करने की जगह नहीं बची है। सैटेलाइट तस्वीरों में खार्ग द्वीप के पास समुद्र की सतह पर बड़े काले धब्बे दिखाई दिए हैं। इससे आशंका जताई जा रही है कि ईरान जिस तेल को स्टोर नहीं कर पा रहा, उसे समुद्र में छोड़ रहा है। अप्रैल के मध्य में अमेरिकी नाकेबंदी लागू होने के बाद सबसे पहले खार्ग द्वीप के ऑनशोर स्टोरेज टैंक भर गए। (शेष पेज 8 पर)

### पर्यावरण और समुद्री जीवन के लिए बड़ा खतरा

एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर समुद्र में तेल छोड़ा जा रहा है तो इससे समुद्री जीवन और पर्यावरण को भारी नुकसान हो सकता है। फारस की खाड़ी के समुद्री इलाकों में बड़ी संख्या में मछुआरे, कोरल रीफ और समुद्री जीव रहते हैं, जिन पर लाखों लोगों की आजीविका निर्भर करती है। समुद्र की सतह पर फैला तेल मछलियों के लिए जहर का काम कर सकता है, समुद्री पक्षियों को नुकसान पहुंचा सकता है और संवेदनशील समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को तबाह कर सकता है। इसी बीच ओमान के दक्षिणी धोफार इलाके के समुद्र तटों पर बड़ी संख्या में मरे हुए झींगे बहकर आने की खबरें भी सामने आई हैं। वैज्ञानिकों ने इसकी वजह समुद्र के पानी में ऑक्सीजन लेवल कम होने और समुद्री धाराओं को बताया है। लेकिन समय को देखते हुए क्षेत्र में बढ़ते प्रदूषण को लेकर चिंता और बढ़ गई है।

### सैटेलाइट तस्वीरों में दिखे बड़े ऑयल स्लिक्स

**यूरोपियन** स्पेस एजेंसी के सेंटिनल सैटेलाइट डेटा और अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास हाल के हफ्तों में पानी पर तेल की परतें (ऑयल स्लिक्स) देखी गईं। 5 मार्च को कुवैत तट के पास, 10 अप्रैल को लावन द्वीप के आसपास, 22 अप्रैल को केशम द्वीप के पास और 6 मई को खार्ग द्वीप के पश्चिम में समुद्र की सतह पर तेल के बड़े धब्बे दिखाई दिए। खार्ग द्वीप के पास दिखाई दिया तेल का एक धब्बा करीब 120 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला था, जो किसी बड़े शहर के आकार के बराबर माना जा रहा है। एक्सपर्ट्स ने रडार डेटा की मदद से इसका विश्लेषण किया। समुद्र की सतह पर तैरता तेल लहरों को शांत कर देता है, जिससे रडार तस्वीरों में काले और चिकने हिस्से दिखाई देते हैं। प्रोसेस्ड तस्वीरों में ऐसे संकेत मिले जो तेल रिसाव या तेल छोड़े जाने से मेल खाते हैं। हालांकि एक्सपर्ट्स का कहना है कि सिर्फ सैटेलाइट तस्वीरों के आधार पर यह पूरी तरह साबित नहीं किया जा सकता कि ये धब्बे तेल ही हैं।

[ मुसीबत ] बाथरुम में बैठकर जा रहे हैं लोग

# भीषण गर्मी मे ट्रेन से सफर करना हुआ मुश्किल

नगर संवाददाता, सतना।

त्योहारी सीजन हो या फिर गर्मी की छुट्टियों का सीजन, ट्रेन का सफर लोगों के लिए हर बार मुश्किल का सबब लेकर आता है। इस बार भी गर्मी शुरू होते ही ट्रेनों में जबरदस्त भीड़ शुरू हो गई है। जनरल कोच हो या स्लीपर कोच या फिर एसी, तीनों जगह की भारी भीड़ देखी जा रही है। इन दिनों जहां आसमान एक तरफ आग बरसा रहा है और लोग प्रचंड गर्मी से परेशान हैं, वहीं दूसरी तरफ गर्मी के मौसम में ट्रेनों में जबरदस्त भीड़ हो रही है। इसके कारण रेल यात्रा करना यात्रियों को लिए काफी परेशानी भरा हो रहा है। ट्रेनों में भीड़ का आलम यह है कि लोग टॉयलेट में बैठकर सफर करने को मजबूर है। इन सबके बीच रेलवे यह दावा कर रहे हैं कि यात्रियों को किसी भी प्रकारी की असुविधा से बचाने के लिए रेलवे की तरफ से कई समर स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। रेलवे का दावा है कि स्पेशल ट्रेनों का परिचालन भी शुरू हो गया है। गौरतलब है कि अभी गर्मी की छुट्टियों के अलावा शादी का भी सीजन है इसलिए ट्रेनों में जबरदस्त भीड़ हो रही है।

### इस वजह से बढ़ी है भीड़

सतना स्टेशन के प्रबंधक ए मतीम ने बताया कि गर्मी का सीजन शुरू हो चुका है और इस दौरान गर्मी की छुट्टियां हो जाती हैं। ऐसे में बच्चों के साथ परिवार के लोग अपने घरों को लौटते हैं तो वहीं कई परिवार गर्मी की छुट्टियों में हिल स्टेशन अथवा तीर्थ यात्रा व पर्यटन के हिसाब से घूमने फिरने के लिए काफी संख्या में बाहर जाते हैं। । इसके साथ ही आजकल शादियों का सीजन चल रहा है तो लोग शादी अटेंड करने के लिए आ जा रहे हैं। रबी सीजन के चलते भी गल्ला आदि की व्यवस्था को लेकर लोग इन दिनों अपने घर आ रहे हैं। इसकी वजह से भी ट्रेनों में थोड़ी भी बढ़ी हुई है।

### शौचालय में बैठकर सफर कर रहे लोग

स्थिति यह है कि जिन्हें बैठने की जगह नहीं मिली है वो गलियारे में ही कपड़े का झूला बांधकर उसे पर बैठ गए हैं। इसके लिए यात्रियों को भी दोष नहीं दिया जा सकता है क्योंकि ट्रेन में जगह नहीं और सफर भी पूरा करना है। यही नहीं ट्रेन का स्लीपर कोच भी ठसाठस भरा हुआ है और लोग दरवाजे पर बैठकर सफर कर रहे हैं। एसी कोच भी फुल है और लोग गैलरी में बैठकर सफर कर रहे हैं। इन दिनों ट्रेन के डिब्बे खचाखच भरे हुए हैं और लोग दरवाजे के पास जान जोखिम में खड़े होकर सफर करने के लिए मजबूर है।

# सरिया बाणसागर डैम में बना करोड़ों का जल क्रीड़ा केंद्र खंडहर में तब्दील

नगर संवाददाता, सतना।

जिले के सरिया स्थित बाणसागर डैम में करोड़ों रुपये की लागत से बनाया गया जल क्रीड़ा केंद्र बदहाली और अनदेखी का शिकार हो गया। जिस प्रोजेक्ट को वाटर स्पोर्ट्स और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया था, वह अब खंडहर में तब्दील हो गया है। वहीं जिम्मेदार विभाग आंख बंद कर बैठे हुए हैं। मैहर जिले के सरिया बाणसागर डैम में जहां कभी वाटर स्पोर्ट्स और पर्यटन को बढ़ावा देने के बड़े सपने दिखाए गए थे। करोड़ों रुपये खर्च कर जल क्रीड़ा केंद्र बनाया गया, लेकिन आज यहां सन्नाटा पसरा हुआ है। न नावें चल रही हैंज न पर्यटक दिखाई दे रहे हैंज और न ही खिलाड़ियों के लिए कोई गतिविधि।

### पर्यटकों का सूखा

सरिया बाणसागर डैम का जल क्रीड़ा केंद्र, जिसे सरकार ने युवाओं और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया था। लेकिन हालत ये है कि करोड़ों की लागत से बना यह केंद्र अब बंद पड़ा है और धीरे-धीरे जर्जर होता जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शुरुआत में यहां काफी उम्मीदें थीं। लोगों को रोजगार मिलने की संभावना थी, साथ ही क्षेत्र में पर्यटन बढ़ने की भी उम्मीद थी। लेकिन प्रशासनिक अनदेखी और संचालन की कमी के कारण यह परियोजना दम तोड़ती नजर आ रही है।

### जिपं सदस्य ने लिखा पत्र

अब जिला पंचायत सदस्य पूजा सूरज गुप्ता ने सांसद को पत्र लिखकर इस जल क्रीड़ा केंद्र को फिर से चालू कराने की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि करोड़ों रुपये की यह परियोजना बंद होने से न केवल सरकारी धन बर्बाद हो रहा है बल्कि क्षेत्र के युवाओं और पर्यटन को भी नुकसान पहुंच रहा है।अगर यह जल क्रीड़ा केंद्र दोबारा शुरू होता है तो इससे न सिर्फ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं को रोजगार और खेल गतिविधियों का भी बड़ा अवसर मिल सकता है। अब देखना होगा कि प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस मांग पर कितना गंभीर कदम उठाते हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### फांसी पर लटकी मिली युवती, जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

सतना। शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत उमरी मोहल्ले में रविवार दोपहर एक युवती का शव घर के अंदर फांसी के फंदे पर लटका मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार में मातम छा गया। मृतका की पहचान 21 वर्षीय मुन्नी यादव पुत्री बहादुर यादव के रूप में हुई है। बताया गया कि युवती ने अपने कमरे में पंखे से दुपट्टे का फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों के अनुसार रविवार सुबह करीब 10 बजे मृतका की मां बच्ची यादव अपनी दो अन्य बेटियों के साथ काम पर चली गई थीं। दोपहर करीब 2 बजे छोटी बेटी राधिका घर लौटी तो मुख्य दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी देर तक आवाज लगाने के बावजूद जब अंदर से कोई जवाब नहीं मिला तो वह छत के रास्ते घर के भीतर पहुंची। घर के कमरे में पहुंचते ही राधिका के होश उड़ गए। मुन्नी फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी। शोर मचाने पर आसपास के लोग और परिजन मौके पर पहुंचे। आनन-फानन में युवती को फंदे से उतारकर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

### उत्कृष्ट कृषक पुरस्कार के लिए आवेदन 15 तक

सतना। कसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मध्यप्रदेश शासन द्वारा सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन आत्मा योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह पुरस्कार राज्य, जिला एवं विकासखंड स्तर पर प्रदान किए जाएंगे। योजना के तहत चयनित कृषकों को क्रमश: 50 हजार रूपये, 25 हजार रूपये और 10 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इस पुरस्कार के लिए वे कृषक आवेदन कर सकते हैं, जिन्होंने कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, रेशम पालन, प्राकृतिक खेती, मधुमक्खी पालन एवं कृषि अभियांत्रिकी के क्षेत्रों में नवाचार तकनीकों को अपनाकर फसल उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि की है।

[ लापरवाही ] जनता में भी जागरूकता का आभाव, डस्टबीन भी हो गए पार

# स्वच्छता सर्वेक्षण के नाम पर करोड़ों फूंके, शहर में सफाई व्यवस्था चौपट

नगर संवाददाता, सतना।

स्वच्छता सर्वेक्षण में रैंकिंग दिलाने और शहर को स्वच्छ रखने के नाम पर निगम प्रशासन ने अब तक करोड़ो रूपए से ज्यादा का ज्यादा का बजट खर्च कर दिया। इसके बावजूद शहर की कॉलोनियां और सड़के उतनी साफ नहीं हो पाई, जितनी होनी चाहिए थीं। निगम ने शहर को स्वच्छ रखने के लिए होर्डिंग लगवाए और अन्य संसाधन खरीदे। लेकिन, इस कवायद का पूरा फायदा नहीं मिल रहा। सडक़ किनारे लगाए डस्टबिन उखड़ गए हैं। इसके साथ साथ जनता में भी उतनी जागरूकता नहीं आई कि वे अपने घर के साथ शहर को साफ रखे। रीवा क्लस्टर का साथ भी निगम को मिला, लेकिन उतनी सफाई नहीं हो पा रही है। सफाई व्यवस्था ठेके पर देने के बाद भी व्यवस्था दुरूस्त नहीं हो पा रही है। क्लस्टर टीम ने डस्टबिन, ऑटो ट्रिपर और काम्पेक्टर शहर में लगा रखे हैं। ताकि डोर टू डोर कचरा कलेक्शन कर तय स्थान पर कचरे को ले जाया जा सके।

**डस्टबिन, होर्डिंग और पेटिंग पर खर्च-** हर वर्ष सैकड़ों डस्टबिन, होर्डिंग व वॉल पेंटिंग, वाहन डीजल सहित मस्टर कर्मियों के वेतन सहित प्रतियोगिताओं के नाम पर 50 लाख से ज्यादा का बजट निगम प्रशासन द्वारा वहन किया गया। ताकि शहर में जनजागरुकता फैलाने के साथ सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाया जा सके। पर यह मंशा आशा के अनुरूप कामयाब नहीं हो पाई।

### ये उपकरण भी साथ

बताया गया, समस्त 45 वार्डों से कचरा उठाने के लिए निगम द्वारा दो खेप में ऑटो ट्रिपर की खरीदी की गई। पहली खेप में 58 लाख की लागत से 10 ऑटो ट्रिपर, दूसरी खेप में 15 नग ऑटो ट्रिपर 80 लाख की लागत से खरीदे गए। 50 लाख के फंड से 2 काम्पेक्टर भी निगम के हाथ आए। जबकि 2 नग मोबाइल टॉयलेट की खरीदी भी लगभग 25 लाख रुपए में की गई। निगम प्रशासन द्वारा दूसरी खेप में खरीदे गए 15 ऑटो ट्रिपर अमानक साबित हुए थे। इसके बाद सफाई व्यवस्था का जिम्मा संभाल रही रेमकी ने अपने अलग संसाधन लगा रखे हैं, फिर भी सफाई व्यवस्था बेहतर नहीं है।

### कचरा निस्तारण प्लांट बंद

नगर के अंदर से निकलने वाले कचरे को ठिकाने लगाने के लिए निगम प्रशासन ने 2013 में लगभग ढाई करोड़ की लागत से बायोवेस्ट मैनेजमेंट कचरा रिसाइकिलिंग प्लांट लगवाया था। यहां कचरे का निस्तारण कर खाद बनाई जाती थी। अब यह प्लांट भी बंद कर दिया गया है। सैकड़ों टन खाद भी डंप थी, समय के साथ वह भी गायब हो गई। वहीं डोर-टू-डोर कचरा एकत्र कर रीवा भेजा जा रहा है।

# नशे के कारोबार पर पुलिस का एक्शन, 21 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

नगर संवाददाता, सतना।

मैहर जिले में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन प्रहार 2.0 के तहत मध्य प्रदेश पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। कोतवाली मैहर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 21 किलो से अधिक अवैध गांजा जब्त कर दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गांजा परिवहन में इस्तेमाल की जा रही ऑल्टो कार भी जब्त कर ली है। बरामद गांजे और वाहन की कुल कीमत करीब 4 लाख रुपये आंकी गई है। जानकारी के अनुसार गौरव राजपूत के निर्देशन में रीवा जोन में ऑपरेशन प्रहार 2.0 चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत अवधेश प्रताप सिंह के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. चंचल नागर एवं नगर पुलिस अधीक्षक महेंद्र सिंह चौहान के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस लगातार संदिग्ध गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थी। इसी दौरान थाना प्रभारी निरीक्षक अनिमेष द्विवेदी को मुखबिर से सूचना मिली कि सरलानगर बेल्ट लाइन के पहले बाउली के पास सुनसान क्षेत्र में एक ग्रे रंग की ऑल्टो कार संदिग्ध हालत में खड़ी है, जिसमें अवैध मादक पदार्थ रखा गया है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी कर कार की जांच शुरू की।

पुलिस ने जब कार क्रमांक यूपी 32 डीई 0654 की तलाशी ली तो वाहन की डिग्गी से बड़ी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। तौल कराने पर गांजे का कुल वजन 21.243 किलोग्राम निकला, जिसकी बाजार कीमत लगभग 2 लाख 12 हजार रुपये बताई गई। इसके अलावा परिवहन में प्रयुक्त ऑल्टो कार की कीमत करीब 2 लाख रुपये आंकी गई है। मौके पर पुलिस ने विधिवत पंचनामा कार्रवाई करते हुए गांजा और वाहन को जब्त कर लिया। पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों की पहचान अनिल द्विवेदी पिता राजेश द्विवेदी (37 वर्ष) निवासी रामपुर थाना सरधुआं जिला चित्रकूट उत्तर प्रदेश तथा विष्णुकांत पांडे पिता भुवन नाथ पांडे (21 वर्ष) निवासी मछरिहा पांडे टोला पुरवा थाना कर्वी जिला चित्रकूट उत्तर प्रदेश के रूप में हुई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8, 20 और 29 के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। मामले में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि गांजे की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किस स्थान पर सप्लाई किया जाना था। पुलिस आरोपियों के नेटवर्क और उनसे जुड़े अन्य लोगों की भी जानकारी जुटा रही है।

# आर्ट एंड क्राफ्ट प्रशिक्षण शिविर का समापन

नगर संवाददाता, सतना।

अस्तित्व महिला सशक्तिकरण एवं संरक्षण संस्था द्वारा मदर्स डे के अवसर पर संयोजिका मोना चोपड़ा के नेतृत्व में आयोजित आर्ट एंड क्राफ्ट प्रशिक्षण शिविर का रविवार को सफलतापूर्वक समापन किया गया। इस कार्यक्रम का शानदार संयोजन भाविका जसोदा एवं अनीशा ओबेरॉय के द्वारा बहुत ही सफलता पूर्वक किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसकी सभी ने सराहना की। मातृत्व दिवस के दिन आर्ट एंड क्लास की प्रशिक्षिका ममता सिंह को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के समापन अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम पुरस्कार आस्था कुशवाहा, द्वितीय पुरस्कार मानसी,तृतीय पुरस्कार सौम्या को देकर सम्मानित किया गया। सभी प्रतिभागियों को चॉकलेट ड्राइंग कॉपी और कलर्स उपहार में दिए गए। साथ ही उपस्थित सभी माताओं को मदर्स डे की शुभकामनाएं देते हुए उपहार भेंट किए गए। संस्था के पदाधिकारी श्वेता शर्मा व सुखविंदर शर्मा ने कहा कि इस तरह के आयोजन महिलाओं और बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को निखारने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में माताएं, बच्चे एवं संस्था के सदस्य उपस्थित रहे।

# 8 माह से फरार एनडीपीएसी एक्ट का आरोपी गिरफ्तार

नगर संवाददाता, सतना।

जिले की कोठी थाना पुलिस ने एनडीपीएसी एक्ट के एक मामले में पिछले 8 माह से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह के निर्देशन में की गई। पुलिस के मुताबिक 7 सितंबर 2025 को सोनौर चौराहा के एक पास वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने की सूचना मिली थी। बताया गया था कि वाहन चालक लापरवाहीपूर्वक गाड़ी चला रहा था और दुर्घटना के बाद चालक सहित एक अन्य व्यक्ति मौके से फरार हो गए थे। सूचना पर पहुंची कोठी पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन की तलाशी ली, जिसमें 1110 नग प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद किया गया। इसके बाद वाहन चालक एवं उसके साथी के खिलाफ धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट तथा 5/13 म.प्र. ड्रग्स कंट्रोल अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। मामले में फरार आरोपियों की लगातार तलाश की जा रही थी। इसी दौरान शनिवार को पुलिस ने आरोपी सतीश त्रिपाठी पिता बृजेश कुमार त्रिपाठी उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम डोमहाई थाना सभापुर जिला सतना को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को वैधानिक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने बताया कि मामले का एक अन्य आरोपी अभी भी फरार है जिसकी तलाश जारी है।

[ कार्यक्रम ] टाउन हाल में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता-सहायिकाओं का स्वर्ण जयंती समारोह संपन्न

# विकसित भारत के संकल्प में महिलाओं की होगी अहम भूमिका: सावित्री ठाकुर

नगर संवाददाता, सतना।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं से महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और आत्मनिर्भर बन रही हैं। यह बात उन्होंने रविवार को टाउन हॉल में आयोजित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कही। कार्यक्रम में सांसद गणेश सिंह ने अध्यक्षता की। इस अवसर पर महापौर योगेश ताम्रकार, पूर्व महापौर ममता पाण्डेय, प्रांतीय अध्यक्ष रामेश्वरी नेताम तथा प्रदेश महा सचिव अंजू सिंह बघेल सहित बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं उपस्थित रहीं।मदर्स-डे के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री श्रीमती ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री मातृवंदन योजना, मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना और मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं ने महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि आंगनवाड़ी केंद्रों में कार्यरत महिलाएं शासन की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं।

### इन्होंने भी किया संबोधित

इस अवसर पर सांसद गणेश सिंह ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं समाज के सर्वांगीण विकास, महिला सशक्तिकरण तथा बच्चों के पोषण और संरक्षण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इनके समर्पण और सेवाभाव से ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाएं जमीनी स्तर तक प्रभावी रूप से पहुंच पा रही हैं। महापौर योगेश ताम्रकार ने कहा कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका स्वर्ण जयंती सम्मान समारोह में आप सभी के बीच उपस्थित होकर मैं स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। यह अवसर केवल एक सम्मान समारोह नहीं, बल्कि उन बहनों के त्याग, समर्पण और सेवा को नमन करने का पावन अवसर है, जो समाज की सशक्त नींव को मजबूती प्रदान कर रही हैं। कार्यक्रम के समापन पर आंगनवाडी कार्यकर्ता, सहायिका संघ ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।

# पुलिस की कार्यशैली पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने उठाए सवाल

नगर संवाददाता, सतना।

जिले में बिगड़ती हुई कानून व्यवस्था व बढ़ते हुए अपराधों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने पुलिस की भूमिका पर सवाल खड़े करते हुए कहा है कि हालात ऐसे बन गए हैं कि अपराधी बेखौफ घूम रहे हैं और शरीफ जनता भय के साये में जीने को मजबूर है। श्री मिश्रा ने आरोप लगाया कि जिले में लगातार लूटपाट, चोरी, डकैती, मारपीट, चाकूबाजी, हत्या, अपहरण, महिलाओं के साथ छेड़छाड़, साइबर ठगी व अन्य गंभीर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं लेकिन पुलिस इन पर नियंत्रण पाने में नाकाम साबित हो रही है। जिले में डंपर ट्रैक्टर एवं जेसीबी मशीनों के अवैध उत्खनन एवं रेत के नाम पर सभी थानों के लिए सुविधा शुल्क फिक्स हो गई है! श्री मिश्रा ने कहा है कि किराना कि दुकानों में खुलेआम अवैध शराब बेची जा रही है गांव-गांव शराब की पैकोरी से नौजवान अपराधी हो रहा है वहीं कोरेक्स, गांजा व चरस जैसे नशीले पदार्थों का कारोबार भी धड़ल्ले से चल रहा है। इतना ही नहीं जिलो में शराब की होम डिलीवरी तक की जा रही है। श्री मिश्रा आरोप लगाते हुए कहा कि कई थानों में गरीबो मजदूरों व आमजनों से थानों में आवेदन देने एफआईआर दर्ज करने के नाम पर सुविधा शुल्क ली जा रही है।

## संक्षिप्त समाचार

### लक्ष्मी परिहार बनायी गयीं रीवा व शहडोल की प्रभारी

रीवा। मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस द्वारा प्रदेश सचिव लक्ष्मी सिंह परिहार को फिर से एक बड़ी जिम्मेदारी मिली है। रीवा एवं शहडोल जिले का उन्हें प्रभारी नियुक्त किया गया है। महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा , मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रीना बरौसी सेतिया ने उनकी कार्याशैली को देखते हुए ये बड़ी जिम्मेदारी दी है। लक्ष्मी सिंह परिहार का कहना है कि मुझे जो नेतृत्व महिला कांग्रेस द्वारा मिले है उसको पूरी निष्ठा से निभाऊगी। अल्का लंबा और रीना सेतिया का विश्वास, व मार्गदर्शन के लिए मैं सदैव आभारी रहूँगी, संगठन की विचारधारा को मजबूती प्रदान करते हुए, पूरी ईमानदारी के साथ दायित्व का निर्वहन करने का प्रयास करूँगी।

### डॉ. रंजना मिश्रा को मातृ शोक

रीवा। शिक्षा विभाग की केंद्रीय पुस्तकालय रीवा में क्षेत्रीय ग्रंथपाल के पद पर पदस्थ एवं अखिल भारतीय साहित्य परिषद जिला रीवा की महामंत्री डॉ. रंजना मिश्रा की माताजी श्रीमती सुधा तिवारी का रविवार सुबह प्रात : 4 बजे निधन हो गया है। स्वर्गीय सुधा तिवारी भारतीय डाक सेवा से सेवानिवृत्ति थी और उनकी उम्र 68 वर्ष थी। वो काफी समय से गंभीर बीमारी से ग्रसित थीं। स्वर्गीया सुधा तिवारी की दो संतानों में बड़े बेटे नीरज तिवारी जो पेशे से शिक्षक हैं एवं डॉ रंजना मिश्रा( शिक्षा विभाग) हैं। स्वर्गीया तिवारी के पति राजमणि तिवारी बैंक में अधिकारी थे जो वर्तमान में सेवानिवृत्त हैं। इनका पैतृक ग्राम फुलहा जिला मऊगंज है। श्रीमती सुधा तिवारी के निधन पर स्नेहीजनों ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुये मृत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान देने ईश्वर से प्रार्थना की है।

### कैथा में चल रहा श्रीराम कथा महायज्ञ

रीवा। हनुमान जी स्वामी मंदिर प्रांगण कैथा में 05 से 13 मई 2026 तक श्रीराम कथा महायज्ञ का कार्यक्रम चल रहा है। कैथा ग्राम निवासी रिटायर्ड आर्मी सूबेदार भैयालाल द्विवेदी सपरिवार हनुमान जी स्वामी मंदिर प्रांगण में श्रीराम कथा का आयोजन करवाए हैं। कार्यक्रम में मुख्य पुरोहित एवं कथा वाचक डॉक्टर गौरी शंकर शुक्ला ज हैं। कार्यक्रम का विसर्जन हवन एवं भंडारे के साथ 13 मई को संपन्न किया जायेगा।

### तीर्थयात्रा के लिए अब 13 तक कर सकेंगे आवेदन

रीवा, नगर संवाददाता। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना अंतर्गत अब जिले के वरिष्ठ नागरिक द्वारका.सोमनाथ की तीर्थ यात्रा के लिए आगामी 13 मई तक आवेदन कर सकते हैं। यात्रियों के चयन उपरांत 20 मई तक आईआरसीटीसी को सूची उपलब्ध कराई जाएगी।

# रीवा में ईमानदार प्रशासन के खिलाफ साजिश बर्दाश्त नहीं: देवेंद्र सिंह

रीवा, नगर संवाददाता।

रीवा कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी की सख्त, ईमानदार और जनहितैषी कार्यशैली से यदि कामचोर और भ्रष्ट अधिकारियों-कर्मचारियों की नींद उड़ रही है, तो यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि प्रशासन सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। वर्षों से आम जनता को फाइलों, भ्रष्टाचार और अनावश्यक परेशानियों में उलझाकर व्यवस्था का लाभ उठाने वाले कुछ लोग आज आंदोलन और प्रदर्शन का नाटक कर रहे हैं, क्योंकि अब व्यवस्था बदल रही है, जवाबदेही तय हो रही है और जनता को समय पर न्याय मिलने लगा है। बसपा के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी त्योंथर देवेंद्र सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि रीवा में पहली बार ऐसा महसूस हो रहा है कि प्रशासन जनता के हित में बिना दबाव और बिना समझौते के कार्य कर रहा है। यही कारण है कि भ्रष्ट मानसिकता वाले लोगों में बेचैनी दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा और गंभीर सवाल यह है कि रीवा के सत्ताधीस भाजपा के तथाकथित जनप्रतिनिधि मुंह में दही जमा कर आखिर मौन क्यों हैं? पार्षद से लेकर बड़े पदों पर बैठे जनप्रतिनिधि तक कोई भी खुलकर एक ईमानदार और जनहित में कार्य करने वाले कलेक्टर के समर्थन में आवाज क्यों नहीं उठा रहा?

#### पहली बार भ्रष्ट तंत्र के बजाय आम जनता की सुनवाई हो रही

देवेंद्र सिंह ने कहा कि क्या यह मौन इसलिए है क्योंकि सख्ती से कुछ लोगों के निजी स्वार्थ प्रभावित हो रहे हैं? क्या इसलिए क्योंकि पहली बार दलालों और भ्रष्ट तंत्र के बजाय आम जनता की सुनवाई हो रही है? उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि रीवा की जनता सब देख रही है और समझ रही है कि कौन जनता के साथ खड़ा है और कौन भ्रष्ट व्यवस्था को बचाने में लगा हुआ है। जो व्यक्ति ईमानदार अधिकारियों का समर्थन नहीं करता, वह कहीं न कहीं भ्रष्टाचार और लापरवाही को संरक्षण देता दिखाई देता है। देवेंद्र सिंह ने कहा कि वे रीवा कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के जनहित में लिए जा रहे हर कठोर और निष्पक्ष निर्णय का खुलकर समर्थन करते हैं। रीवा को ऐसे ही मजबूत, पारदर्शी और निष्पक्ष प्रशासन की आवश्यकता है, जो जनता के अधिकारों की रक्षा करे और भ्रष्टाचार पर सीधा प्रहार करे। उन्होंने अंत में कहा कि जनता अब जाग चुकी है और आने वाले समय में वही नेतृत्व स्वीकार किया जाएगा जो ईमानदारी, पारदर्शिता और जनसेवा के पक्ष में मजबूती से खड़ा दिखाई देगा।

मऊगंज जिले में राजस्व अमले पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

# सीमांकन में पुलिस की सक्रियता पर उठे सवाल

रीवा, नगर संवाददाता।

मऊगंज जिले में राजस्व विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। क्षेत्र में लगातार ऐसे आरोप सामने आ रहे हैं कि पटवारी, आरआई से लेकर तहसीलदार स्तर तक जमीन संबंधी मामलों में भारी अनियमितताएं और हेरफेर किए जा रहे हैं। आरोप है कि जमीनों की गलत तरीके से तरमीम और रिकॉर्ड में बदलाव के कारण गांवों में विवाद लगातार बढ़ रहे हैं, जबकि इससे जुड़े लोगों का कथित धंधा फल-फूल रहा है। इसी बीच ग्राम पाड़र में चल रहे एक जमीन सीमांकन मामले ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। जानकारी के अनुसार सीमांकन कार्य के दौरान मऊगंज थाना प्रभारी द्वारा थाने की पूरी फोर्स मौके पर भेज दी गई। इस कार्रवाई को लेकर स्थानीय लोगों में कई तरह की चर्चाएं हैं। लोगों का कहना है कि ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो पुलिस के पास इस सीमांकन के अलावा कोई अन्य कार्य शेष नहीं बचा है। स्थानीय नागरिक सवाल उठा रहे हैं कि आखिर इस सीमांकन में थाना प्रभारी की इतनी विशेष रुचि क्यों दिखाई दे रही है। वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि इसी पाड़र गांव में पूर्व में हुई चोरी की घटनाओं में पुलिस न तो चोरों तक पहुंच सकी और न ही मामले में गंभीर जांच दिखाई दी। लेकिन सीमांकन जैसे राजस्व मामले में पुलिस बल की सक्रियता ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि प्रशासन और पुलिस इसी तत्परता से अपराधों की जांच और कानून व्यवस्था पर ध्यान दें तो क्षेत्र में लोगों का विश्वास बढ़ सकता है। फिलहाल यह मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है और लोग राजस्व व पुलिस विभाग की भूमिका पर खुलकर सवाल उठा रहे हैं।

# 7 दिवसीय संस्कृत संभाषण प्रबोधन शिविर का शुभारंभ

रीवा, नगर संवाददाता।

संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार और युवाओं में बोलचाल की प्रवृत्ति विकसित करने के उद्देश्य से गुरुकुल विद्यालय परिसर रीवा में 8 मई से 15 मई तक सात दिवसीय संस्कृत संभाषण प्रबोधन शिविर संस्कृत भारती महाकौशल प्रान्त द्वारा आयोजित किया जा रहा है। शिविर में प्रतिदिन संस्कृत वार्तालाप, श्लोक पाठ, सरल व्याकरण अभ्यास और संस्कृत नाट्य प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाएगा। आयोजन का मुख्य लक्ष्य दैनिक जीवन में संस्कृत के प्रयोग को सहज और सरल बनाना है। प्रबोधनवर्ग के अध्यक्ष डी पी सिंह परिहार के अनुसार शिविर में महाकौशल प्रान्त के 20 जिलों के लगभग 100 विद्यार्थी, शिक्षक और संस्कृत प्रेमी संख्या में भाग ले रहे हैं। विशेषज्ञ आचार्यों द्वारा प्रातः और सायं सत्रों में कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। आयोजकों ने कहा कि भाषा केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रहे बल्कि व्यवहार में आए, इसी भावना से यह शिविर लगाया गया है। समापन दिवस 15 मई को प्रतिभागियों द्वारा संस्कृत में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।

#### वर्ग स्थल में लगायी गयी प्रदर्शनी

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि आचार्य अंजनी प्रसाद पांडे पूर्व प्राचार्य संस्कृत महाविद्यालय रीवा,विशिष्टातिथि डॉ महेंद्र मणि द्विवेदी अतिरिक्त निदेशक उच्च शिक्षा रीवा संभाग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मॉडल साइंस कॉलेज के प्राध्यापक शिव कुमार दुबे,भारतेन्दु मिश्रा,आबकारी अधिकारी सूर्य नारायण,संस्कृत भारती महाकौशल प्रान्त के संगठन मंत्री डॉ मनोज कुमार सहित बड़ी संख्या में नगर के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे। वर्ग स्थल में प्रदर्शनी भी लगाई गई है। आयोजन कर्ताओं का नागरिकों से अनुरोध है कि वर्ग स्थल पर पहुंचकर संस्कृत भाषा के आंदोलन में सहभागी बने।

# प्राधिकरण उपाध्यक्ष डॉक्टर अजय सिंह ने जनप्रतिनिधियों व वरिष्ठ नेताओं से की मुलाकात

रीवा, नगर संवाददाता।

विंध्य विकास प्राधिकरण के नव नियुक्त उपाध्यक्ष डॉ.अजय सिंह का अपनी नियुक्ति के पश्चात भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधियों एवं जिले के वरिष्ठ नेताओं से लगातार मुलाकात का दौर जारी है। ज्ञात हो कि विगत दिनों मध्य प्रदेश शासन द्वारा विंध्य के समुचित विकाश हेतु विंध्य विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष के रूप पंचूलाल प्रजापति तथा डॉ अजय सिंह एवं संजय तीर्थवानी को उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। डॉ अजय सिंह ने अपनी नियुक्ति के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल सहित प्रदेश तथा राष्ट्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया है। डॉ अजय सिंह ने विंध्य विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष बनने के उपरांत प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल,पूर्व विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम ,विंध्य विकास प्राधिकरण अध्यक्ष पंचूलाल प्रजापति,जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता, मऊगंज जिलाध्यक्ष डॉ राजेंद्र मिश्रा, वरिष्ठ नेता ,गुढ़ विधायक नागेंद्र सिंह,सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह,मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल,त्योंथर विधायक सिद्धार्थ तिवारी, मनगवां विधायक नरेंद्र प्रजापति,जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी,श्रीमती पन्नाबाई प्रजापति,वरिष्ठ नेता,पूर्व जिलाध्यक्ष कमलेश्वर सिंह,पूर्व प्रदेश मंत्री राजेश पाण्डेय, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीमती प्रज्ञा त्रिपाठी ,पूर्व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य वरिष्ठ नेता महाबली गौतम, रावेंद्र मिश्र,वरिष्ठ नेता बृजभान सिंह आदि से मुलाकात कर विंध्य क्षेत्र के समग्र विकास को नई दिशा एवं नई गति प्रदान करने हेतु जनप्रतिनिधियों से सुझाव एवं मार्गदर्शन प्राप्त किया। साथ ही भविष्य में सभी से सुझाव एवं सहयोग की अपेक्षा की।

जाम व वाहनों की लम्बी कतारों से शहरवासियों को मिलेगी निजात

# बायपास बीहर पुल का निर्माण कार्य पूरा, जल्द चालू होगा मार्ग

रीवा, नगर संवाददाता।

अप्रेल के शुरूआती दिनों से शहर के अंदर बड़े और छोटे वाहनों की लम्बी कतारें और उससे उत्पन्न होने वाली परेशानियों से अब निजात मिल सकता है। रीवा बायपास मार्ग मे बीहर पुल के क्षतिग्रस्त होनें से प्रतिबंधित हुआ अवागमन चालू हो सकता है। कारण कि क्षतिग्रस्त हुये बीहर पुल का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है,संभावतना जतायी जा रही है कि सोमवार या फिर मंगलवार से मार्ग को चालू किया जाएगा। माना जा रहा है कि बायपास की बीहर पुल का निर्माण कार्य पूरा होने के बाद मार्ग के बहाल होते ही रीवा शहर को ना सिर्फ भारी वाहनों के प्रवेश से निजात मिलेगी बल्कि शहरवासियों को जाम की समस्या से भी राहत मिलेगी। उल्लेखनीय है कि रीवा बायपास मार्ग में स्थित बीहर पुल को विगत माह पूर्व क्षतिग्रस्त घोसित कर दिया गया था। पुल के गार्डर में दरारे आ गई थी और बेयरिंग टूट गए थे, इसके अलावा पियर कैप भी क्षतिग्रस्त हो गए थे। पुल के क्षतिग्रस्त होने के बाद हादसे की आशंका के चलते 5 अप्रेल से इस ब्रिज के उपयोग पर रोक लगा दी गई थी और ब्रिज पर आवाजाही प्रतिबंधित कर दी गई।

#### कई किमी. तक लगी रहती थी वाहनों की लाइनें

बायपास ब्रिज बंद होने से आवाजाही भी बंद हो गई थी। हालाकि भारी वाहनों को प्रयागराज और बनारस जाने और वहां से आने वालों को निकालना प्रशासन के लिये बडी चुनौती बन चुका था और इसके लिये मार्ग को डायवर्ट भी किया गया लेकिन यह डायवर्ट मार्ग इतने लंबे थे कि इन रास्तों पर जाना भारी वाहन चालकों को मंजूर नहीं था। ऐसे में शहर के बाहर रातभर वाहन चालक इंतजार करते फिर जैसे ही नो इंटी खुलती तो वह शहर के भीतर से गुजरने लगते । शहर में भारी वाहनों के प्रवेश से रातभर भारी जाम की स्थिति निर्मित रहती थी, साथ ही हादसों का भी खतरा बना रहता था। तकरीबन एक महीने से भी अधिक समय से चल रहे बीहर पुल के मेंटेनेंस का काम पूरा हो चुका है,जल्द यह मार्ग एक बार फिर से चालू कर दिया जाएगा। पुल पर लगे प्रतिबंध के हटने के बाद रीवा बायपास मार्ग का आवागमन शुरू हो जाएगा जिससे रीवा वासियों को जाम से बडी राहत मिलने के साथ ही शहर को भारी वाहनों के प्रवेश से भी निजात मिलेगी।

# जवाहर नवोदय विद्यालय मार्ग पर जानलेवा गड्ढा, दुर्घटना की आशंका

- अभिभावकों और विद्यार्थियों में चिंता

रीवा, नगर संवाददाता।

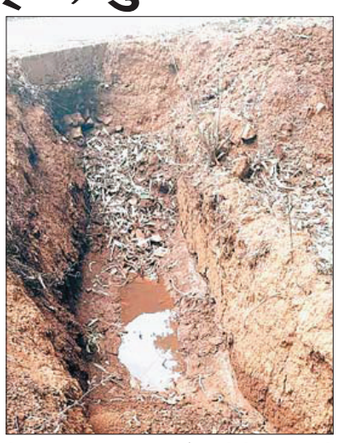

सिरमौर नगर पंचायत द्वारा विगत वर्ष निर्मित नवोदय विद्यालय मार्ग पर वन विभाग के गेट के समीप सड़क से सटे एक गहरे गड्ढे ने गंभीर दुर्घटना की आशंका पैदा कर दी है। बताया जा रहा है कि यह गड्ढा संभवतः जेसीबी मशीन से खोदा गया है और कई महीनों से खुला पड़ा हुआ है। यह मार्ग पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय सिरमौर तक जाने का मुख्य रास्ता है, जहां लगभग 560 विद्यार्थी एवं 45 कर्मचारी परिवार निवास करते हैं। विद्यालय में रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, शहडोल सहित कई जिलों से अभिभावकों का निरंतर आवागमन रहता है। प्रतिदिन दोपहिया एवं चारपहिया वाहनों की आवाजाही के साथ छोटे बच्चे भी इसी मार्ग पर साइकिल चलाते हैं। स्थानीय लोगों एवं विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि सड़क की पटरी से बिल्कुल सटे इस गहरे गड्ढे के कारण किसी भी समय बड़ी दुर्घटना हो सकती है। बरसात अथवा रात्रि के समय यह खतरा और बढ़ जाता है। विद्यालय प्राचार्य द्वारा संबंधित विभागों से आग्रह किया है कि यदि गड्ढा खोदने का कार्य पूर्ण हो चुका हो तो उसे तत्काल भरवाया जाए, ताकि संभावित दुर्घटना को रोका जा सके। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों और आम नागरिकों की सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन को शीघ्र संज्ञान लेना चाहिए। स्थानीय नागरिकों ने भी नगर पंचायत एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि मार्ग की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए गड्ढे को अविलंब भरवाया जाए।

परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के जोखिमों पर चर्चा

# रोझौही में टाटा न्यूक्लियर पावर प्लांट के खतरों को लेकर बेवीनार आयोजित

रीवा, नगर संवाददाता।

मप्र सहित पूरे भारत में निजी कंपनियों द्वारा लगाए जाने वाले लगभग 24 न्यूक्लियर पावर प्लांट के खतरों को लेकर आरटीआई रिवॉल्यूशनरी ग्रुप इंडिया द्वारा 307वा राष्ट्रीय आरटीआई वेबिनार आयोजित किया गया जिसमे फ्रॉम पावर टू पेरिल अंडरस्टैंडिंग न्यूक्लियर रिस्क्स शीर्षक से एक वेबिनार का आयोजन हुआ, जिसमें भारत में परमाणु ऊर्जा के खतरों और निहितार्थों पर ध्यान केंद्रित किया गया। मुख्य वक्ताओं में परमाणु विरोधी कार्यकर्ता और पीपुल्स मूवमेंट अगेंस्ट न्यूक्लियर एनर्जी के नेता सुब्रमण्यम उदय कुमार शामिल थे, जिन्होंने परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के जोखिमों पर चर्चा की और कुडनकुलम परमाणु संयंत्र संघर्ष के अनुभव साझा किए। अन्य प्रतिभागियों में पर्यावरण कार्यकर्ता महेश पंड्या और रजनी दवे शामिल थे, जिन्होंने परमाणु ऊर्जा पर तकनीकी दृष्टिकोण प्रदान किए, और वीरेंद्र कुमार ठक्कर, जिन्होंने आरटीआई अधिनियम के तहत परमाणु सूचना प्रकटीकरण के आसपास के कानूनी ढांचे को समझाया। चर्चा में परमाणु संयंत्रों के लिए स्थल चयन, अपशिष्ट प्रबंधन, विकिरण जोखिम और हाल ही में पारित शांति विधेयक (2025) पर चिंताएं शामिल थीं, जो परमाणु ऊर्जा में निजी क्षेत्र की भागीदारी की अनुमति देता है। प्रतिभागियों ने मध्य प्रदेश के रीवा में प्रस्तावित टाटा परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर भी चर्चा की और इस बात पर बहस की कि क्या देश के प्रचुर सौर संसाधनों और मौजूदा ऊर्जा चुनौतियों को देखते हुए परमाणु ऊर्जा वास्तव में भारत की ऊर्जा जरूरतों के लिए आवश्यक है।

#### रीवा विद्युत संयंत्र सुरक्षा संबंधी चिंताएं

बैठक के क्योटी रोझौही के 167 हेक्टेयर भूमि पर टाटा पावर कंपनी द्वारा रीवा जिले में प्रस्तावित बिजली संयंत्र के बारे में चिंताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें प्रवीण पटेल ने छत्तीसगढ़ में अन्य औद्योगिक दुर्घटनाओं के अनुभवों के आधार पर सुरक्षा और स्वास्थ्य के मुद्दों को उठाया। प्रवीण पटेल ने स्थानीय समुदायों, विशेष रूप से आदिवासी और गरीब आबादी पर संभावित प्रभावों के बारे में चिंता व्यक्त की और सरकार के सुरक्षा उपायों और गारंटी पर सवाल उठाया। चर्चा में टाटा पावर परियोजना के बारे में विवरण शामिल था, जो महत्वपूर्ण निवेश और रोजगार के अवसरों का खोखला वादा करता है, हालांकि प्रवीण पटेल ने तर्क दिया कि लाभ सबसे अधिक प्रभावित समुदायों तक समान रूप से नहीं पहुंच सकता है। और जहां तक न्यूक्लियर पावर प्लांट के लाभों का सवाल है इसमें लाभ तो कम हैं बल्कि पलायन विस्थापन से लेकर स्वास्थ्य संबंधी गंभीर संकट और लाइलाज बीमारियां सहित कई प्रकार के दुष्प्रभाव हैं।

#### परमाणु ऊर्जा संयंत्र से पर्यावरणीय जोखिम

बैठक में रीवा क्षेत्र में एक प्रस्तावित परमाणु ऊर्जा संयंत्र के बारे में चिंताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने पर्यावरणीय जोखिमों, जल प्रदूषण और संभावित स्वास्थ्य प्रभावों पर चर्चा की। समूह ने स्थानीय मीडिया, पोस्टर और पर्चे के माध्यम से परियोजना के बारे में जागरूकता बढ़ाने की योजनाओं पर चर्चा की, जिसमें तमिल नाडु से पधारे परमाणु ऊर्जा कार्यकर्ता सुब्रमण्यम उदय कुमार ने राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करने के लिए एक रैली आयोजित करने का सुझाव दिया। प्रतिभागियों ने परमाणु ऊर्जा संयंत्र के परिणामों के बारे में सार्वजनिक शिक्षा की आवश्यकता पर जोर दिया, भोपाल गैस त्रासदी को क्षेत्र में पिछली पर्यावरणीय आपदाओं के उदाहरण के रूप में संदर्भित किया। सामाजिक कार्यकर्ता शिवानंद द्विवेदी द्वारा बैठक में स्थानीय परियोजना के मुद्दे पर एक संयुक्त ज्ञापन की योजना बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

# महंगाई को लेकर ग्रामीण से शहर तक की जनता परेशान: राजकुमार

रीवा, नगर संवाददाता।

अंतर्राष्ट्रीय अधिवक्ता दिवस परिषद एवं सरपंच महा परिषद के अध्यक्ष ब्रह्मांशी पंडित राजकुमार सिंह तिवारी ने कहा है कि भीषण महंगाई से आम जनमानस काफी त्रस्त एवं परेशान है। पूरे हिंदुस्तान में गैस का भीषण संकट बना हुआ है। इस समय शादी विवाह के शुभ अवसर से लेकर घरेलू निस्तार तक के लिए भी लोगों को गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है।

ग्रामीण स्तर पर किसी तरह से कुछ हद तक लोगों द्वारा अपना कार्य लकड़ी, गोबर के कंडे एवं पुराने पारंपरिक तरीके द्वारा किया जा रहा है। लेकिन शहरी क्षेत्रों में आम जन मानस को भीषण दिक्कत पड़ रही है। क्योंकि आधुनिक जीवन शैली में वह ऐसा कर नहीं सकते एवं सहजता से पारंपरिक तरीकों का ईंधन उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। कालाबाजारी को बढ़ावा मिल रहा है। सिलेंडर ब्लैक एवं महंगे दामों पर मिल रहा है। सरकार को महंगाई एवं कमी के संकट से निजात हेतु सभी आवश्यक कार्रवाई तुरंत करनी चाहिए। अन्यथा की स्थिति में जनता भीषण उग्र आंदोलन का रास्ता अपनाएगी ।

संपादकीय

## बंगाल का 'बदलापुर'

बेशक पश्चिम बंगाल में 'परिवर्तन' का जनादेश दिया गया है और पहली भाजपा सरकार ने शपथ ग्रहण कर ली है, लेकिन बंगाल का 'रक्त-चरित्र' नहीं बदला है। जनादेश के बाद बंगाल का 'बदलापुर' सामने है। चुनाव के बाद हिंसा, हत्या, आगजनी, तोडफोड़, कब्जेबाजी और बुलडोजर सरेआम दिख रहे हैं। पांच राजनीतिक हत्याएं की जा चुकी हैं। उनमें घोर निर्मम हत्या शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक चंद्रनाथ रथ की है। शुभेंदु बंगाल के नये मुख्यमंत्री बने हैं। गौरतलब है कि उन्होंने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनकी घरेलू सीट 'भवानीपुर' में पराजित किया है। चंद्रनाथ राजनीतिक व्यक्ति नहीं थे। वायुसेना से सेवानिवृत्त थे। वह शुभेंदु के साथ तब से कार्यरत थे, जब शुभेंदु ममता सरकार में मंत्री थे और मुख्यमंत्री के भरोसेमंद नेता थे। हमलावरों ने चंद्रनाथ को उनके घर से 100-150 मीटर दूर ही गोलियों से भून दिया। हमलावर अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं, लेकिन एसआईटी की जांच जारी है। ममता बनर्जी ने अदालत की निगरानी में सीबीआई जांच की मांग की है, जिसे तृणमूल नेता दोहरा रहे हैं। शुभेंदु अधिकारी का मानना है कि हमलावरों के निशाने पर वह थे, क्योंकि उन्होंने ममता बनर्जी को हराया है, लेकिन उनके सहायक की हत्या कर दी गई। यह पूर्व नियोजित, साजिशाना, नृशंस हत्या है। हमलावरों को बख्शा नहीं जाएगा। दरअसल यह हत्या ही बंगाल के 'रक्त-चरित्र' को बयां करती है। हालांकि चुनाव और जनादेश के बाद भाजपा कार्यकर्ता मधु मंडल और तृणमूल के कार्यकर्ता अबीर शेख की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। कांग्रेस कार्यकर्ता को भी मारा गया है। बंगाल के कोलकाता, हावड़ा, टॉलीगंज, हुगली, बांकुरा, आसनसोल, बीरभूम, जलपाईगुड़ी से 24 परगना तक हिंसा का जो 'नंगा नाच' सामने आया है, उनके 'रक्तबीज' कौन हैं? कमोबेश बंगाल से 'भद्रलोक' का सम्मानजनक विशेषण छीन लेना चाहिए, क्योंकि अब वह मुखौटा भर है, क्योंकि राजनीतिक हिंसा और हत्याओं में बंगाल देश में शीर्ष स्थान पर है। यह राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का आंकड़ा है। इस बार भी 400 से अधिक जगहों पर हिंसा, तोडफोड़, आगजनी की घटनाएं हुई हैं। 200 से अधिक प्राथमिकी दर्ज की गई हैं, 433 लोगों की गिरफ्तारियां की गई हैं और करीब 1100 लोग हिरासत में लिए गए हैं। राज्य में केंद्रीय सुरक्षा बलों के 2.40 लाख जवान तैनात किए गए थे। सीएपीएफ की 500 कंपनियां और तैनात की जा रही हैं, लेकिन बंगाल का 'रक्त-चरित्र' यथावत है, कोई अंकुश नहीं, कोई बदलाव नहीं। बेशक प्रधानमंत्री मोदी 'बदला नहीं, बदलाव' की अपील करते रहें। इस बार चुनाव के दौरान अपेक्षाकृत बहुत कम हिंसा हुई। हत्या कोई नहीं हुई थी, लेकिन चुनाव और जनादेश के बाद बंगाल का 'रक्त-रंजित' चरित्र सामने आ गया। दरअसल बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सत्ता में आई, तो वामदलों के गुंडे, अपराधियों ने निष्ठाएं बदल लीं और तृणमूल के साथ जुड़ गए। नतीजतन 15 साल की सत्ता के दौरान हिंसा, हत्या, दादागीरी, गुंडई और इलाकाई बदमाशी का एक 'इकोसिस्टम' तैयार हो गया। तृणमूल के गुंडे, हमलावर आज भी उसी सिस्टम की धमकियां दे रहे हैं, लिहाजा भाजपा सरकार के सामने सबसे विराट चुनौती यही है कि उस सिस्टम को प्राथमिकता के साथ कुचला जाए। बंगाल के 'रक्त-चरित्र' के लिए दोषियों को माफ नहीं किया जाना चाहिए। जिन्होंने 'जल्लाद', 'दिल्ली में बाप' और 'अमित शाह बंगाल में घुस कर दिखाए' सरीखे शब्दों और वाक्यों का जो इस्तेमाल किया था, उस पर हिंसा और हत्याओं की सुई केंद्रित क्यों न की जाए?

# उच्च शिक्षा को नई दिशा देने की कोशिश

प्रो. डी.आर. भरत
लेखक पंजाब विश्वविद्यालय में कानून के प्राध्यापक हैं

भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे न केवल अपने पारंपरिक ढांचे की सीमाओं को पार करना है, बल्कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप स्वयं को पुनर्गठित भी करना है। इसी संदर्भ में प्रस्तावित 'विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025' को एक व्यापक और दूरगामी सुधार के रूप में देखा जा सकता है। यह विधेयक मौजूदा नियामक संस्थाओं जैसे यूजीसी, एआईसीटीई और एनसीटीई को प्रतिस्थापित कर एक एकीकृत, अधिक सक्षम और पारदर्शी ढांचे की स्थापना का विचार रखता है। इसका उद्देश्य केवल प्रशासनिक पुनर्गठन नहीं है, बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता, स्वायत्तता और जवाबदेही को नई दिशा देना भी है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के पांच वर्ष पूर्ण होने के इस महत्वपूर्ण चरण पर इसका आगमन महज संयोग नहीं है, बल्कि इसे शिक्षा सुधारों की अगली स्वाभाविक और अनिवार्य कड़ी के रूप में भी देखा जा सकता है।

तकनीकी शिक्षा, सामान्य शिक्षा और शिक्षक शिक्षा के लिए अलग-अलग संस्थाएं होने के कारण नीतिगत समन्वय में कठिनाइयां उत्पन्न होती थीं। कई बार संस्थानों को समान कार्यों के लिए विभिन्न निकायों से अनुमति लेनी पड़ती थी, जिससे न केवल समय की बर्बादी होती थी, बल्कि प्रक्रियाएं भी जटिल बन जाती थीं।

इस विधेयक की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है-तीन स्वतंत्र परिषदों का गठन, जो उच्च शिक्षा के अलग-अलग पहलुओं को संभालेंगी। इसके अंतर्गत पहली परिषद है 'शिक्षा विनियमन परिषद', जो संस्थानों के पंजीकरण, अनुमोदन और नियामक अनुपालन से जुड़ी होगी। दूसरी परिषद है 'शिक्षा गुणवत्ता परिषद', जो संस्थानों के मूल्यांकन और मान्यता का कार्य करेगी। तीसरी परिषद है 'शिक्षा मानक परिषद', जिसका कार्य पाठ्यक्रम, शिक्षण परिणाम और न्यूनतम शैक्षणिक मानकों को निर्धारित करना होगा। इसका अर्थ यह है कि 'विनियमन', 'गुणवत्ता' और 'मानक' को अलग-अलग संस्थागत ढांचों में विभाजित करके एक अधिक स्पष्ट और प्रभावी शासन प्रणाली स्थापित करने का प्रयास।

विधेयक का दृष्टिकोण केवल संरचनात्मक परिवर्तन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उच्च शिक्षा की मूल भावना को भी पुनर्परिभाषित करने का प्रयास कर रहा है। इसका लक्ष्य संस्थानों को अधिक स्वायत्त बनाना, उन्हें नवाचार और अनुसंधान के लिए प्रोत्साहित करना तथा शिक्षा को परिणाम-आधारित और छात्र-केंद्रित बनाना है।

इस विधेयक का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू है-वित्तीय सहायता और नियमन के कार्यों का पृथक्करण। पहले यूजीसी अनुदान देने और नियमन दोनों कार्य करता था। नए ढांचे में इन दोनों कार्यों को अलग करने का प्रयास किया गया है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ने की उम्मीद है।

पहले पहल यह विधेयक प्रशासनिक जटिलताओं को कम करने और निर्णय लेने की प्रक्रिया को तेज करने में सहायक हो सकता है। दूसरा, स्पष्ट मानकों और सुदृढ़ प्रत्यायन प्रणाली के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार संभव है। तीसरा, यह भारतीय विश्वविद्यालयों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद कर सकता है, जिससे विदेशी छात्रों और निवेश को आकर्षित किया जा सके।

लेकिन चिंताएं यह भी हैं कि इसके माध्यम से अत्यधिक केंद्रीकरण का खतरा है। एक ही संस्था में व्यापक शक्तियां केंद्रित होने से संघीय ढांचे और राज्यों की भूमिका प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा, वित्तीय प्रावधानों की अस्पष्टता भी एक गंभीर मुद्दा है, जो विशेष रूप से राज्य विश्वविद्यालयों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। यदि नियामक परिषद की शक्तियां अत्यधिक बढ़ जाती हैं, तो संस्थानों की स्वायत्तता सीमित हो सकती है।

विधेयक के संदर्भ में बड़ी चिंता संघीय ढांचे पर इसके संभावित प्रभाव को लेकर है। यद्यपि भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत संघ-सूची की प्रविष्टि 66 में उच्चतर शिक्षा या अनुसंधान संस्थानों तथा वैज्ञानिक एवं तकनीकी संस्थानों में समन्वय एवं मानकों के निर्धारण का प्रावधान है।

नि:संदेह, इतने व्यापक बदलाव को लागू करना अपने आप में एक बड़ी परीक्षा है। संस्थागत संस्कृति, प्रशासनिक प्रक्रियाओं और मानव संसाधनों में समन्वय स्थापित करना दीर्घकालिक और जटिल प्रक्रिया होगी। यदि इसे सावधानीपूर्वक और चरणबद्ध तरीके से लागू नहीं किया गया, तो यह सुधार अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएगा। अंतत: विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025 एक ऐसा प्रयास है, जो भारत की उच्च शिक्षा को नई दिशा देने की क्षमता रखता है।

# अगर जात की दीवार गिरी, तो मां-बाप का रिमोट कंट्रोल भी गिर जाएगा

**आजकल हमारे मोहल्ले की हवा बदली-बदली सी है। संघ प्रमुख मोहन भागवत जी ने अंतरजातीय विवाह पर क्या टिप्पणी की, मोहल्ला दो फाड़ हो गया। ऐसा लगता है जैसे किसी ने जलती हुई लंका में घी डाल दिया हो। एक तरफ वो माता-पिता हैं जिन्हें लिबरेशन मिल गया है, और दूसरी तरफ वो हैं जो अपनी जातीय शुद्धता के किले को बचाने के लिए आखिरी दम तक मोर्चे पर डटे हैं।**

अंकुर रंजन
जबलपुर (मप्र)

पहला वर्ग उन माता-पिता का है, जिनके बच्चों ने पहले ही जाति की दीवारें लांघ ली थीं। ये बेचारे माता पिता अब तक समाज के डर से दबे-कुचले घूम रहे थे, जैसे कोई चोरी की हो। लेकिन भागवत जी का बयान क्या आया, इनकी तो लॉटरी लग गई। अब ये सीना चौड़ा करके गलियों में घूम रहे हैं और कह रहे हैं जब साक्षात भागवत जी ने ही मुहर लगा दी, तो हमारी तुम्हारी हैसियत क्या है भाई? हम तो पहले से ही विजनरी थे, समाज तो अब जाग रहा है। इनके लिए भागवत जी का बयान सुप्रीम कोर्ट का स्टे ऑर्डर बन गया है, जिसने इनकी सामाजिक साख को रातों-रात बहाल कर दिया। दूसरी तरफ वो माता-पिता हैं जिनकी रातों की नींद उड़ गई है। इनके बच्चे अब हाथ में अखबार लेकर इनके सामने ऐसे खड़े हो जाते हैं जैसे कोई वकील जिरह कर रहा हो, देखिए पापा, अब तो भागवत जी ने बोल दिया, अब आप क्या करेंगे?

इन बेचारों की हालत काटो तो खून नहीं वाली हो गई है। कल तक जो आरएसएस और बीजेपी के लिए झंडे उठाते थे, आज वही सोच रहे हैं कि इस क्रांतिकारी विचार के बाद सपोर्ट कैसे करें? मगर इस दूसरे वर्ग ने अब इस स्थिति का तोड़ निकाल लिया है। वे अपने बच्चों को समझा रहे हैं कि ये सब राजनीति है। आज ये अंतरजातीय विवाह के लिए बोल रहे हैं, कल अगर अलग-अलग धर्मों के लिए बोलेंगे तो क्या हम मान लेंगे? ये सब सत्ता का खेल है बेटा, तुम अपनी जात में ही टिके रहो। भागवत जी तो हाफ पैंट, काली टोपी और मलाई मारकर पूरी जिंदगी गुजार देंगे। सुनो बिटिया, ये जो दिल्ली की हवा लगी है न तुमको, इसे जरा संभाल कर रखो। भागवत जी ने तो कह दिया, पर क्या भागवत जी तुम्हारे फेरों में कन्यादान करने आएंगे? कन्यादान तो हमें ही करना है, और वो अपनी बिरादरी के बाहर नहीं होगा। हरियाणा-पंजाब का दामाद हमें नहीं चाहिए। हमें तो अपनी ही जात का लड़का चाहिए, भले ही वो खानदानी गधा क्यों न हो। प्रॉपर्टी में बेटे के बराबर हिस्सा तभी मिलेगा जब अपनी जात में फेरे लोगी, वरना समझ लेना।

बाप बेटे से कह रहे हैं- बेटा, ये जो तुम भागवत जी का बयान सुनकर चहक रहे हो न, ये सब चुनावी मलाई है। देखो ये तलाक-तलाक का खेल देखना है तो अंतरजातीय शादियां देख लो। रोज का ड्रामा, रोज की किचकिच। हमारी जात की बहू आएगी तो कम से कम दबकर तो रहेगी। बाहर वाली तो दूसरे दिन ही तुमको और हमको अलग कर देगी। खाकी वर्दी और काली टोपी पहनकर उपदेश देना आसान है, क्योंकि उनको कौन सा घर बसाना है। तुमको तो अपना घर, अपनी जमीन और अपनी इज्जत देखनी है। बेटा अगर तुमने जात के बाहर पैर निकाला, तो तुम्हे न केवल जायदाद से बेदखल किया जाएगा, बल्कि समाज में तुम्हारी हैसियत शून्य कर दी जाएगी। अभी पिताओं का सबसे बड़ा ताना यही ट्रेंड में चल रहा है भले ही उस पिता के पास प्रॉपर्टी के नाम पर 2 डिसमिल जमीन ही क्यूँ न बची हो। बेटा, सत्ता बदलती रहती है, पर बिरादरी वाले ही अर्थी को कंधा देते हैं, आरएसएस वाले नहीं आएंगे।

कुल मिलाकर, मोहल्ले में अब विचारधारा की लड़ाई नहीं, बल्कि अहंकार और विरासत की जंग छिड़ गई है। एक तरफ आधुनिकता का चोला ओढ़े वो लोग हैं जिन्हें भागवत जी में मसीहा दिख रहा है, और दूसरी तरफ वो हैं जिन्हें लगता है कि पूरी जवानी जिस आरएसएस के लिए कुर्बान कर दी उसने उनके साथ गद्दारी कर दी है। मगर सच तो यह है कि मोहन भागवत जी का बयान तो बस एक बहाना है, असली डर तो इस बात का है कि अगर जात की दीवार गिरी, तो मां-बाप का रिमोट कंट्रोल भी गिर जाएगा।

**(उपरोक्त विचार लेखक के अपने हैं)**

# कोशिका स्तर पर जैविक उम्र बढ़ाती गर्मी

मुकुल ब्यास
विज्ञान मामलों के जानकार

तेजी से गर्म होती दुनिया में गर्मी का मौसम अब ज्यादा सताने लगा है। गर्मी पहले से कहीं ज्यादा लंबी और जानलेवा हो गई है। बहुत ज्यादा गर्मी के स्पष्ट प्रभाव डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक और थकावट के रूप में दिखाई देते हैं लेकिन वैज्ञानिकों का दावा है कि तेज गर्मी उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को भी तेज कर सकती है। सदर्न कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी द्वारा किया गया एक नया अध्ययन बताता है कि बहुत ज्यादा गर्मी कोशिका स्तर पर उम्र बढ़ने की प्रक्रिया में तेजी ला सकती है। यह हमें अच्छी तरह से ज्ञात है कि बहुत अधिक तापमान शरीर पर दबाव डाल सकता है। लेकिन अब इस बात के सबूत बढ़ रहे हैं कि लंबे समय तक गर्मी में रहने से आयु-वृद्धि की प्रक्रिया तेज हो सकती है। किसी व्यक्ति की तारीख के अनुसार गिनी जाने वाली उम्र से भी ज्यादा महत्वपूर्ण उसकी जैविक उम्र होती है। यही स्वास्थ्य का असली पैमाना है। जैविक उम्र यह दिखाती है कि हमारी कोशिकाएं, ऊतक और अंग कितनी अच्छी तरह काम करते हैं। जब जैविक उम्र तिथि आधारित उम्र से ज्यादा होती है, तो बीमारी का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन की वरिष्ठ लेखक जेनिफर एलशायर का कहना है कि गर्म इलाकों में रहने वाले लोगों में ठंडे इलाकों के लोगों की तुलना में जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया ज्यादा तेज होती है। गर्मी और उम्र बढ़ने के बीच संबंध की जांच करने के लिए शोधकर्ताओं ने 56 साल और उससे अधिक उम्र के 3,600 से ज्यादा लोगों के डेटा की जांच की, जो स्वास्थ्य और सेवानिवृत्ति से संबंधित अध्ययन में शामिल थे। वैज्ञानिकों ने छह साल की अवधि में रक्त के नमूने लिए और जीन संबंधी बदलावों का पता लगाने के लिए उनका विश्लेषण किया। ये ऐसे रासायनिक परिवर्तन हैं जो जीन के काम करने के तरीके पर असर डालते हैं। इस क्षेत्र में एक बड़ी प्रक्रिया 'डीएनए मिथाइलेशन' है, जिसमें एक रसायन डीएनए में जुड़ता है। यह प्रक्रिया आनुवंशिक कोड में बदलाव किए बिना जीन को चालू या बंद कर सकती है। शोधकर्ताओं ने इन आणविक परिवर्तनों पर नजर रखने के लिए एक जैव-रासायनिक टूल (एपिजेनेटिक घड़ी) का इस्तेमाल किया। यह टूल मिथाइलेशन पैटर्न का पता लगाकर जैविक उम्र का अनुमान लगाता है। शोधकर्ताओं ने 2010 से 2016 तक के पुराने गर्मी सूचकांक डेटा के साथ जैविक उम्र बढ़ने की दरों की तुलना की, जिससे गर्मी और आयु-वृद्धि के बीच एक मजबूत संबंध का पता चला। तापमान और आर्द्रता के मिश्रण से यह तय होता है कि गर्मी कितनी ज्यादा है। बहुत ज्यादा गर्मी को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। सतर्कता स्तर 27 सेल्सियस 32 सेल्सियस तक होता है। बहुत ज्यादा सावधानी वाली श्रेणी 32 सेल्सियस से 40 सेल्सियस तक होती है। सबसे खतरनाक स्तर 40 सेल्सियस से शुरू होता है और 51 सेल्सियस तक जाता है। इस अध्ययन में यह देखा गया कि हर स्तर की गर्मी के बार-बार संपर्क में आने से जैविक उम्र पर कितना असर पड़ता है। बहुत ज्यादा गर्मी के ज्यादा दिनों का मतलब था कोशिका स्तर पर तेजी से उम्र बढ़ना। कुछ क्षेत्रों में लंबे समय तक भीषण तापमान बना रहता है, और इसका वहां के निवासियों की जैविक उम्र बढ़ने की प्रक्रिया पर प्रभाव चौंकाने वाला होता है।

बहुत ज्यादा गर्मी अब लोगों को रोजाना के आसान काम भी नहीं करने दे रही है। तेज गर्मी में चलना, सफाई करना या बाहर काम करना मुश्किल होता जा रहा है। वैज्ञानिकों ने एक अन्य अध्ययन में पाया कि 1950 के दशक से, हर साल उन घंटों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है जब गर्मी सामान्य गतिविधियों के लिए खतरनाक हो जाती है। एरिजोना स्टेट यूनिवर्सिटी और कई दूसरे संगठनों के शोधकर्ताओं ने यह अध्ययन किया कि तापमान और आर्द्रता का इंसान के शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है। नतीजों से पता चलता है कि बहुत ज्यादा गर्मी दैनिक जीवन के लिए, खासकर बुजुर्गों के लिए एक चुनौती बनती जा रही है। अध्ययन की सह-लेखक जेनिफर वैनोस ने कहा कि गर्मी के बारे में ज्यादातर अध्ययन इस बात पर फोकस करते हैं कि गर्मी कितनी लगती है। नया अध्ययन एक अलग सवाल पूछता है कि इंसान का शरीर उस गर्मी में सुरक्षित रूप से क्या कर सकता है। सिर्फ तापमान मापने के बजाय अध्ययन में यह देखा गया कि गर्मी और आर्द्रता शरीर की खुद को ठंडा करने की क्षमता पर कैसे असर डालती हैं। शरीर आमतौर पर पसीना निकलने से ठंडा होता है। लेकिन ज्यादा नमी इस प्रक्रिया को धीमा कर देती है। इससे त्वचा से गर्मी को बाहर निकलने में मुश्किल होती है। शोधकर्ताओं ने एक खास मॉडल का इस्तेमाल करके यह अंदाजा लगाया कि कोई इंसान अलग-अलग मौसम में कितनी गतिविधि सुरक्षित रूप से कर सकता है। यह मॉडल स्टडी करता है कि शरीर वातावरण मिलने वाली से गर्मी और शारीरिक गतिविधि के दौरान पैदा होने वाली गर्मी के बीच कैसे संतुलन बनाता है। अगर शरीर तेजी से गर्मी नहीं निकाल पाता तो शरीर का अंदरूनी तापमान बढ़ जाता है और इससे हीटस्ट्रोक हो सकता है। हल्की गर्मी में हल्के काम शरीर को ज्यादा गर्म किए बगैर सुरक्षित रूप से किए जा सकते हैं लेकिन जब गर्मी बहुत ज्यादा हो जाती है तो यह एक्टिविटी असुरक्षित हो जाती है। टीम ने पाया कि कुछ जगहों पर मौसम साल के सबसे गर्म घंटों में ही ऐसे हालात बना सकता है जो रहने लायक नहीं होते। इन हालात में, छाया में चुपचाप बैठने से भी शरीर का तापमान बढ़ सकता है। शोधकर्ताओं ने 1950 से 2024 तक वैश्विक तापमान और आर्द्रता डेटा का विश्लेषण किया। इससे वैज्ञानिकों को यह ट्रैक करने में मदद मिली कि पिछले 75 सालों में गर्मी के संपर्क में आने का तरीका कैसे बदला है। नतीजे बताते हैं कि खतरनाक गर्मी आम होती जा रही है। 18 से 40 साल के युवा अब बीसवीं सदी के बीच की तुलना में हर साल लगभग दोगुने घंटे ऐसे समय का सामना करते हैं जब गर्मी की वजह से सामान्य गतिविधि असुरक्षित हो जाती है। वर्ष 1950 और 1970 के दशक के बीच, युवा हर साल लगभग 25 घंटे इस तरह के समय का अनुभव करते थे। आज यह संख्या बढ़कर सालाना लगभग 50 घंटे हो गई है। बुजुर्गों के लिए यह बढ़ोतरी और भी ज्यादा है। पहले, 65 साल से अधिक उम्र के लोगों को हर साल लगभग 600 घंटे ऐसे समय का अनुभव होता था जब गर्मी की वजह से सामान्य गतिविधि सीमित हो जाती थी। अब यह संख्या बढ़कर हर साल लगभग 900 घंटे हो गई है। बुजुर्गों को ज्यादा खतरा होता है क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ शरीर को पसीने और स्वस्थ रक्त संचार से खुद को ठंडा रखना मुश्किल हो जाता है। बुजुर्गों का शरीर जवान लोगों की तरह अच्छे से ठंडा नहीं हो पाता।

# तेजाब और पितृसत्ता के बीच संघर्ष करती स्त्री

हाल ही में देश के शीर्ष न्यायालय ने 'शाहीन मलिक बनाम भारत संघ' मामले में एसिड अटैक के संबंध में मौजूदा कानूनों के तहत तेजाब हमलों से जुड़े मामलों के निस्तारण को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। अदालत ने माना कि ऐसे अपराधों के लिए निर्धारित दंड पर्याप्त नहीं हैं तथा कई पीड़ित अब भी उचित कानूनी पहचान और सहायता से वंचित हैं। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने विकलांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के प्रावधानों की भी समीक्षा की। अदालत ने पाया कि अधिनियम की वर्तमान अनुसूची में तेजाब हमले के पीड़ितों को केवल उन व्यक्तियों तक सीमित रखा गया है जो 'एसिड या इसी तरह के संहारक पदार्थ फेंकने से हुए हिंसक हमलों के कारण विकृत हो गए हैं।' न्यायालय ने केंद्र सरकार से अनुसूची में संशोधन कर ऐसे मामलों को शामिल करने पर विचार करने को कहा। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा, 'यदि इस संशोधन को अधिसूचित किया जाता है तो हम इसकी सराहना करेंगे।' यही नहीं पीठ ने तेजाब की सहज उपलब्धता और उसकी अवैध बिक्री पर भी गंभीर चिंता जताई और कहा कि अवैध रूप से तेजाब बेचने वाले विक्रेताओं को जिम्मेदारी से बचने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए तथा ऐसे मामलों में उनकी जवाबदेही भी सुनिश्चित होनी चाहिए। न्यायालय ने यह भी संकेत दिया कि दायित्व केवल हमलावर तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सुनवाई के दौरान अपराधियों पर कठोर आर्थिक दंड लगाने और उनकी संपत्ति जब्त करने जैसे उपायों पर भी चर्चा हुई। अदालत ने टिप्पणी की, 'हमलावर की संपत्ति, जिसमें संयुक्त हिंदू परिवार की संपत्ति में उसका हिस्सा भी शामिल है, क्यों न जब्त की जाए? हम आत्मसम्मान आदि की बात करते हैं... तो आरोपी को क्यों नहीं भुगतना चाहिए?' एसिड अटैक मानवता के मुंह पर वह तमाचा है, जहां सभ्यता, संस्कृति और संवेदनाएं एक साथ दम तोड़ती दिखाई देती हैं। ऐसे अपराध केवल किसी एक व्यक्ति पर हमला नहीं होते, बल्कि वे पूरे समाज की चेतना और नैतिकता को कठघरे में खड़ा कर देते हैं। विशेष रूप से वे लोग भी प्रश्नों के घेरे में आ जाते हैं, जो इस हिंसा के विरुद्ध बोलने का साहस नहीं जुटा पाते। बिना किसी अपराध के जीवनभर असहनीय पीड़ा सहना केवल शारीरिक या मानसिक यातना भर नहीं है। यह उस धीमे ज़हर की तरह है, जिसमें पीड़िता हर दिन जीते हुए स्वयं को अपराधबोध, उपेक्षा और सामाजिक असहजता के बीच घिरा हुआ पाती है। विडंबना यह है कि तेजाब का प्रभाव केवल शरीर को नहीं जलाता, बल्कि वह व्यक्ति के आत्मविश्वास, संबंधों और जीवन के प्रति विश्वास को भी भीतर तक झुलसा देता है। यदि हम यह सोचते हैं कि ऐसी कुंठित मानसिकता केवल भारत तक सीमित है, तो यह हमारी गंभीर भूल होगी। स्त्री को अस्वीकार किए जाने, नियंत्रण खो देने या आहत अहंकार के प्रतिशोध में हिंसा का शिकार बनाना दरअसल संपूर्ण विश्व की एक सामाजिक बीमारी है। पुरुष अक्सर स्त्री की 'न' को स्वीकार नहीं कर पाता। जब उसका अहंकार घायल होता है, तब वह शक्ति, भय, हिंसा या नियंत्रण के माध्यम से स्त्री पर अपना वर्चस्व स्थापित करना चाहता है। और जब वह ऐसा करने में असफल होता है, तब कई बार प्रतिशोध सबसे क्रूर रूप में सामने आता है। नारीवादी चिंतक बेल हुक्स पितृसत्ता को ऐसी व्यवस्था मानती हैं, जो पुरुष को यह विश्वास दिलाती है कि प्रभुत्व उसका स्वाभाविक अधिकार है। वहीं मनोवैज्ञानिक लंडी बैनक्रॉफ्ट अपनी पुस्तक 'व्हाय डज़ ही डू दैट?' में लिखते हैं कि हिंसा केवल क्षणिक क्रोध का परिणाम नहीं होती, बल्कि उसके मूल में स्वामित्व, अधिकारबोध और नियंत्रण की मानसिकता छिपी होती है। यही कारण है कि जब कोई स्त्री अपनी स्वतंत्र इच्छा से निर्णय लेती है, असहमति जताती है या किसी संबंध को अस्वीकार करती है, तब पुरुषवादी अहंकार कई बार उसे दंडित करने पर उतारू हो जाता है। इन तमाम असहनीय यातनाओं और सामाजिक उपेक्षाओं के बीच जो बात सबसे अधिक चकित करती है, वह है एसिड अटैक सर्वाइवर्स की अदम्य जिजीविषा। उनकी जिजीविषा पितृसत्तात्मक मानसिकता को आईना दिखाती है। जिन लोगों ने उन्हें तोड़ने, डराने और जीवनभर के लिए समाप्त कर देने का प्रयास किया, वे उनके शरीर को तो घायल कर पाए, पर उनकी आत्मा, उनका साहस और जीने की इच्छा को समाप्त नहीं कर सके। शायद यही उन अपराधियों की सबसे बड़ी हार है कि जिन स्त्रियों को वे भय और पीड़ा के अंधेरे में धकेल देना चाहते थे, वही स्त्रियां आज संघर्ष, आत्मसम्मान और साहस की सबसे मजबूत आवाज बनकर खड़ी हैं। भारतीय एसिड अटैक सर्वाइवर रेशमा कुरैशी इसका एक सशक्त उदाहरण हैं। जिस लड़की के चेहरे को तेजाब से मिटा देने की कोशिश की गई थी, वही रेशमा बाद में न्यूयॉर्क फैशन वीक के रैंप तक पहुंचीं। यह केवल एक उपलब्धि नहीं थी, बल्कि उस मानसिकता के विरुद्ध एक शांत किंतु दृढ़ प्रतिरोध था, जो किसी स्त्री की पहचान को उसके चेहरे तक सीमित समझती है। कुछ ऐसी ही कहानी ब्रिटेन की केटी पाइपर की भी है। एक भयावह एसिड अटैक के बाद लंबे समय तक शारीरिक और मानसिक पीड़ा से गुजरने वाली केटी ने स्वयं को केवल एक पीड़िता के रूप में सीमित नहीं होने दिया। अनेक सर्जरी, सामाजिक भय और आत्मसंघर्ष के बाद उन्होंने अपने अनुभवों को लेखन और सामाजिक जागरूकता का माध्यम बनाया। उनकी पुस्तक 'ब्यूटीफुल' केवल एक आत्मकथा नहीं, बल्कि उस स्त्री की आंतरिक यात्रा है, जिसने अपने टूटे हुए अस्तित्व को धीरे-धीरे फिर से गढ़ा। दरअसल, रेशमा कुरैशी, लक्ष्मी अग्रवाल और केटी पाइपर जैसी महिलाएं अकेली नहीं हैं। ईरान की अमेनेह बहरामी, कोलंबिया की नतालिया पोंसे दे लियोन, पाकिस्तान की फाखरा यूनुस और बांग्लादेश की जहरा जैसी अनेक महिलाओं ने एसिड अटैक की भयावह पीड़ा झेलने के बावजूद स्वयं को चुप्पी में कैद नहीं होने दिया। इन महिलाओं ने अपने संघर्ष को निजी दुख तक सीमित रखने के बजाय उसे सामाजिक प्रतिरोध और जागरूकता की आवाज में बदल दिया। भारत में भी एसिड अटैक सर्वाइवर्स ने अपने संघर्ष को मौन पीड़ा में बदलने से इंकार किया। आगरा, लखनऊ और नोएडा में संचालित 'शीरोज़ हैंगआउट' केवल एक कैफे नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और पुनर्निर्माण का जीवित प्रतीक है। यहां काम करने वाली महिलाएं हर दिन समाज को यह संदेश देती हैं कि हिंसा किसी स्त्री के साहस को समाप्त नहीं कर सकती। जिन चेहरों को कभी समाज दया की दृष्टि से देखता था, वही चेहरे आज आत्मनिर्भरता, संघर्ष और सम्मान की नई परिभाषा लिख रहे हैं। फिर भी सबसे बड़ा प्रश्न अब भी अनुत्तरित है आखिर एसिड हमलावर भयभीत क्यों नहीं दिखाई देते? क्या वे यह बखूबी जानते हैं कि कानून के गलियारों में अब भी ऐसी सकरी गलियां मौजूद हैं, जिनसे होकर वे बच निकलेंगे? या फिर उन्हें इस बात का आश्वासन रहता है कि दोष सिद्ध हो या न हो, जब अपराध किसी स्त्री से बदला लेने के नाम पर किया गया हो, तब समाज के लिए वह उतना अस्वीकार्य नहीं रह जाता, जितना होना चाहिए। शायद यही कारण है कि किसी स्त्री का पूरा जीवन झुलसा देने से पहले उनके भीतर भय नहीं, बल्कि एक खतरनाक प्रकार का सामाजिक आश्वासन काम करता है। जब तक समाज की नैतिक अस्वीकृति कठोर नहीं होगी, तब तक ऐसी हिंसा केवल अपराध नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक मानसिकता के संरक्षण में पलती हुई क्रूरता बनी रहेगी।

डॉ. ऋतु सारस्वत
लेखिका समाजशास्त्री हैं

## विश्व ब्राह्मण कल्याण परिषद का गठन, भार्गव बने अध्यक्ष

ग्वालियर। पूर्व मंत्री अनूप मिश्रा ने कहा है अब समय आ गया है देश क्या दुनिया के सारे ब्राह्मण समाज को एक हो जाना चाहिए। क्योंकि ब्राह्मण समाज को समझना चाहिए कि शक्ति अलग अलग बंटने में नहीं एक होने में हैं। श्री मिश्रा ने रविवार को विश्व ब्राह्मण कल्याण परिषद की राज्य इकाई के अध्यक्ष नर्मदा शंकर भार्गव के नाम की घोषणा की। परिषद के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनूप मिश्रा ने कहा कि देश में 24 प्रतिशत आबादी, ब्राह्मण समाज की हैं, जो देश के उत्थान, विकास व राष्ट्रहित में निरंतर योगदान दे रही है। लेकिन कुछ स्वार्थवश हमारे ही समाज के लोग अलग-अलग संगठन बनाकर काम कर रहे हैं, जिससे हम समाज हित में पूरी क्षमता से काम नहीं कर पाते हैं।

### हजीरा अस्पताल में बंद एसी पर नाराज हुए ऊर्जा मंत्री, रात में किया औचक निरीक्षण

# काम नहीं संभल रहा तो बता दीजिएः तोमर

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शनिवार देर रात हजीरा सिविल अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जब मंत्री ने आईसीयू में मरीजों को बंद एसी और उमस भरे माहौल में परेशान देखा तो नाराज हो गए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को जमकर फटकार लगाई और साफ शब्दों में कहा, अगर काम नहीं संभल रहा तो बता दीजिए।

दरअसल, निरीक्षण के दौरान गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती मरीजों ने मंत्री से शिकायत की कि एसी बंद होने के कारण उन्हें भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। मरीजों की

शिकायत सुनते ही मंत्री नाराज हो गए। उन्होंने मौके से ही अस्पताल के जिम्मेदारों को फोन लगाया और तत्काल एसी दुरुस्त कराने के निर्देश दिए।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि आईसीयू जैसे अति संवेदनशील वार्डों में इस तरह की लापरवाही किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं में जरा भी कोताही बर्दाश्त नहीं होगी। इसके बाद मंत्री बिरला नगर सिविल अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने अस्पताल की कार्यप्रणाली की समीक्षा की और चिकित्सकों व स्टाफ से चर्चा की। बिरला नगर अस्पताल की व्यवस्थाओं पर उन्होंने संतोष जताया। ऊर्जा मंत्री ने मनोरंजनालय पार्क, आनंद नगर स्थित बड़ा पार्क और शील नगर (बहोड़ापुर) स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर पार्क का भी निरीक्षण किया। उन्होंने पार्कों में प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा, स्वच्छता और अन्य सुविधाओं की स्थिति देखी। कई स्थानों पर कम रोशनी और अव्यवस्था मिलने पर अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश दिए गए।

### अगली बार सिर्फ चेतावनी नहीं, सीधे कार्रवाई होगी

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मोतीझील और बहोड़ापुर विद्युत उपकेंद्रों का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने बिजली वितरण व्यवस्था, मेंटेनेंस, सप्लाई और उपभोक्ता शिकायतों की समीक्षा की। उपकेंद्र कार्यालयों का निरीक्षण करते हुए कर्मचारियों से मूलभूत सुविधाओं की जानकारी भी ली। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा, हालात सुधार लें, अन्यथा अगली बार सिर्फ चेतावनी नहीं दूंगा, सीधे कार्रवाई होगी।

## डॉ. अमित यादव बने पिछड़ा वर्ग भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल के प्रदेश अध्यक्ष

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

पिछड़ा वर्ग भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल ने डॉ. अमित यादव को मध्यप्रदेश प्रकोष्ठ का अध्यक्ष नियुक्त किया है। डॉ. यादव स्वास्थ्य सेवा एवं प्रबंधन क्षेत्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ हैं और वर्तमान में एप्पल समूह चिकित्सालयों के संचालक के रूप में कार्यरत हैं।

संगठन ने उनकी प्रशासनिक क्षमता, दूरदर्शी सोच और सामाजिक प्रतिबद्धता को देखते हुए यह दायित्व सौंपा है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश शासन के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा संगठन को राज्य स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन मंडल में अशासकीय सदस्य के रूप में शामिल किया गया है।

संगठन अब प्रदेश के प्रत्येक जिले में विस्तार करेगा तथा जिला समन्वयकों को जिला स्तरीय लघु उद्योग संवर्धन समितियों में प्रतिनिधित्व दिया जाएगा। डॉ. अमित यादव ने कहा कि संगठन, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं लघु-मध्यम उद्यमियों के आर्थिक, औद्योगिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए शासन एवं प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करेगा।

## समर कैंप में बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास होता है : सिकरवार

ग्वालियर। शोभा शिक्षा एवं समाज कल्याण पर्यावरण समिति द्वारा खुशियों की उड़ान समर कैंप का शुभारंभ रविवार को गुब्बारे उड़ाकर जीवाजी क्लब में किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महापौर शोभा सिकरवार, विशिष्ट अतिथि ग्वालियर पूर्व के विधायक डॉ. सतीश सिकरवार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता आईटीएम यूनिवर्सिटी के कुलसचिव ओमवीर सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने कहा कि इस प्रकार के समर कैंप से बच्चों का मानसिक एवं शारीरिक विकास होता है। इस प्रकार के आयोजन समय-समय पर होना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक डॉ. पूजा सिंह ने कहा कि यह हमारा चौथा सत्र है, जिसमें लगभग 200 से ज्यादा बच्चे भाग ले रहे हैं। इस समर कैंप में 15 एक्टिविटी साथ में रखी हैं जिसमें बच्चे बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में संस्था द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। इस अवसर पर पूर्व मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भगवान सिंह यादव, शिववीर सिंह भदौरिया, संजय सिंह आदि उपस्थित थे।

## परिधान में फैशन के रंगों ने बांधा समां युवा डिजाइनर्स ने प्रस्तुत किए नवाचार

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

एमिटी विश्वविद्यालय के एमिटी स्कूल ऑफ फैशन डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी द्वारा परिधान का आयोजन गत दिवस किया गया। कार्यक्रम में देशभर से आए प्रतिभागियों ने रचनात्मकता, नवाचार और फैशन कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। आयोजन दिव्या चौहान के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जो युवा डिजाइनर्स को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करता है।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो-चांसलर वीके शर्मा और कुलगुरु प्रो. डॉ. आरएस तोमर द्वारा किया गया। प्रो. तोमर ने भारतीय पारंपरिक फैशन संस्कृति में बनारसी और चंदेरी वस्त्रों की विशेषता पर प्रकाश डाला, वहीं प्रो-चांसलर श्री शर्मा ने आधुनिक फैशन में नई तकनीकों और पर्यावरण अनुकूल परिधानों की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध फैशन डिजाइनर मुमताज खान, शिक्षाविद् प्रो. डॉ. एस्टरमाला और अंतरराष्ट्रीय फैशन डिजाइनर डॉ. डायना लिंडा सहित कई विशेषज्ञ उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में देशभर की 15 टीमों ने भाग लिया, जिनमें से 6 टीमों ने अंतिम चरण में स्थान बनाया। प्रतियोगिता में आशुतोष और कीर्ति की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सोमित और वंश की टीम द्वितीय तथा ख्याति और सोदोनी की टीम तृतीय स्थान पर रही। इसके अलावा विभिन्न प्रतिभागियों को रैंप प्रस्तुति और मॉडलिंग के लिए विशेष सम्मान प्रदान किए गए।

### संभाग के सहकारी बैंक अधिकारियों की बैठक में दिए निर्देश

## सहकारी बैंक किसान हितैषी बनें समय पर दें ऋण सुविधाः यादव

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

अपेक्स बैंक के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव ने सहकारी बैंकों और संस्थाओं को अधिक सक्रिय, जवाबदेह एवं किसान हितैषी बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव की मंशा के अनुरूप किसानों को समय पर ऋण सुविधा उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही शासन की योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।

रविवार को जिला पंचायत सभागार में आयोजित ग्वालियर-चंबल संभाग के सहकारी बैंक अधिकारियों की समीक्षा बैठक में श्री यादव ने विभागीय समन्वय के साथ निर्धारित लक्ष्यों की समय पर पूर्ति करने पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि सदस्यता महा अभियान को और प्रभावी बनाया जाए तथा किसानों से बेहतर समन्वय स्थापित कर ऋण वसूली

में तेजी लाई जाए, ताकि बैंकों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो और अधिक किसानों को कृषि कार्यों के लिए ऋण उपलब्ध कराया जा सके। बैठक में वर्ष 2025-26 में वितरित अल्पावधि फसल ऋण की वसूली, खरीफ 2026 के लिए ऋण वितरण लक्ष्य तथा सदस्यता महा अभियान की दैनिक प्रगति की समीक्षा की गई। साथ ही जिला सहकारी बैंक शाखाओं और प्राथमिक कृषि सहकारी संस्थाओं (अपैक्स) के माध्यम से टर्म लोन वितरण की स्थिति पर भी चर्चा हुई।

इसके अलावा अपैक्स के अंतर्गत संचालित बहुउद्देशीय व्यावसायिक गतिविधियों, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लक्ष्यों एवं समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की स्थिति की भी समीक्षा की गई। बैठक में अपेक्स बैंक भोपाल के वरिष्ठ अधिकारी राजकुमार गंगेले, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक ग्वालियर के सीईओ हिमांशु खाड़े सहित ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों के सहकारी बैंक अधिकारी मौजूद रहे।

## वार्ड 28 में 20 लाख में होंगे निर्माण कार्य

ग्वालियर। कांग्रेस विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने रविवार को वार्ड क्रमांक 28 के अंतर्गत आने वाले कुबेर आश्रम इंदिरा नगर के पास 7,64,347 रुपए से नवीन हॉल, पेवर ब्लॉक आदि निर्माण कार्य एवं बाथम धर्मशाला कुम्हरपुरा में 11,99,113 रुपए पेवर्स ब्लॉक निर्माण एवं रंगाई पुताई आदि निर्माण कार्य के लिए क्षेत्रीय पार्षद एवं एमआईसी सदस्य गायत्री सुधीर मण्डेलिया के साथ भूमि पूजन किया। भूमि पूजन कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी कपिल पटेल, कृपाराम मण्डेलिया, सुधीर मण्डेलिया, ब्लॉक अध्यक्ष संदीप यादव, मंडलम अध्यक्ष राजेश तोमर, मंडलम अध्यक्ष रामवीर सिंह गुर्जर, पंचम सिंह भदौरिया, दयाशंकर खटीक, मंथन सिंह, देवानंद ऐशवार, कैलाश नारायण शर्मा, सुरेंद्र सिंह सेंगर, असलम खान, राम हरि शर्मा, रामसेवक उपाध्याय, विजय बहादुर सिंह गौतम, मान सिंह, रामानंद सिंह, राम सिंह कतरौलिया, छोटू, दीपक गहलोत, मनोज गहलोत, फूलवती, गौरव सिंह, पप्पू पंडित, फूल सिंह बाथम, लल्लू बाथम, तिलक बाथम, पटेल साहब, राजू बाथम, गिल्लो प्रजापति, हीरा बाथम, छीद्धि पेंटर साहब, दयाशंकर खटीक, सुंदर अहिरवार, असलम खान आदि मौजूद रहे।

### संक्षिप्त समाचार

## स्वास्थ्य विभाग को मिली व्हीलचेयर और वॉकर

ग्वालियर, न.सं.। दिव्यांग एवं गंभीर रूप से बीमार मरीजों को अस्पतालों में बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने स्वास्थ्य विभाग को वॉकर और व्हीलचेयर दान किए हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि मंत्री श्री कुशवाह ने रविवार को स्वास्थ्य विभाग को 10 वॉकर एवं 20 व्हीलचेयर प्रदान की। इनका उपयोग जिले के विभिन्न शासकीय अस्पतालों में दिव्यांग और चलने-फिरने में असमर्थ मरीजों की सहायता के लिए किया जाएगा। डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि अस्पतालों में आने वाले मरीजों को कई बार पर्याप्त संसाधन न होने के कारण असुविधा का सामना करना पड़ता है। ऐसे में यह सहयोग मरीजों के लिए काफी उपयोगी साबित होगा। उन्होंने इस सराहनीय पहल के लिए मंत्री श्री कुशवाह का आभार व्यक्त किया।

## आरपीएफ ने यात्री का छूटा बैग लौटाया

ग्वालियर। ऑपरेशन अमानत के तहत आरपीएफ ने एक यात्री का ट्रेन में छूटा सामान सुरक्षित वापस किया है। बीते 27 अप्रैल को गाड़ी संख्या 12191 के कोच ए-2/31 में यात्री नमन का सफेद पॉलीथिन बैग छूट जाने की सूचना कंट्रोल रूम झांसी को दी गई थी। सूचना पर आरपीएफ स्टाफ ने सर्च कर बैग बरामद कर सुरक्षित पोस्ट पर जमा कराया। रविवार को यात्री के परिचित त्रिलोकेश्वर माथुर आरपीएफ पोस्ट पहुंचे और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किए। पहचान एवं सत्यापन के बाद बैग खोला गया, जिसमें 2 पीस मेलामाइन स्टोरेज जार सेट विद ट्रे पाया गया।

## सीए विद्यार्थियों ने दिया मां के नाम भावनात्मक संदेश, कविता व चित्रकला का मनोहारी प्रदर्शन

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

मातृ दिवस के अवसर पर इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की ग्वालियर शाखा के अंतर्गत स्टूडेंट्स विंग के विद्यार्थियों द्वारा एक विशेष रचनात्मक पहल का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी मां के प्रति प्रेम और सम्मान को विभिन्न कलात्मक माध्यमों से अभिव्यक्त किया। स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए नागेन्द्र सिंह कुशवाह ने बताया कि कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों ने स्वयं लिखी कविताएं, भावनात्मक संदेश, चित्रकला, पोस्टर, स्केच एवं अन्य

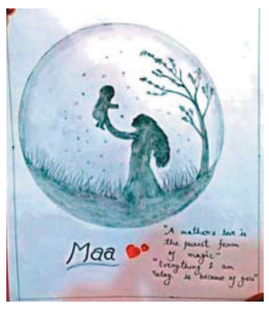


रचनात्मक प्रस्तुतियों के माध्यम से मां के प्रति अपने भावों को प्रस्तुत किया। हर प्रस्तुति में मां के त्याग, स्नेह और प्रेरणा का अनूठा चित्रण देखने को मिला, जिसने सभी को भावुक कर दिया। इस मौके पर सीए मयूर गर्ग, सीए पंकज शर्मा आदि उपस्थित रहे।

## 21 महिलाओं को किया ब्रह्म मातृ शक्ति सम्मान से अलंकृत

सकल ब्राह्मण महासमिति के प्रधान कार्यालय में रविवार को मातृ दिवस पर 21 ब्राह्मण महिलाओं को ब्रह्म मातृ शक्ति सम्मान से पीतांबर अंग वस्त्र, भगवान श्री परशुराम जी का चित्र, श्रीफल, स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सकल ब्राह्मण महासमिति की महिला अध्यक्ष बीना भारद्वाज ने की। मुख्य अतिथि के रूप में बाल कल्याण समिति की सदस्य रश्मि त्रिपाठी, मुख्य वक्ता बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की डॉ. वंदना भूपेंद्र प्रेमी, सकल ब्राह्मण महा समिति की संरक्षिका सुधा दीक्षित, अनीता रिछारिया मंचासीन रहीं। संचालन संगीता शर्मा ने किया। सम्मानित होने

वाली महिलाओं में सुधा दीक्षित, माया भारद्वाज, संतोष शर्मा,अलका मिश्रा, संगीता शर्मा, रेनू शर्मा, शशि गोस्वामी, शशि शर्मा, किरण मिश्रा, प्रीति शर्मा, डॉ. सरिता त्रिपाठी, मधु दुबे, माया शर्मा, अनीता योगेंद्र दीक्षित, रूबी शर्मा, सीमा शर्मा, अनिता शर्मा,अंजू दीक्षित, अनीता रिछारिया, डॉ. वंदना भूपेंद्र प्रेमी शामिल हैं। अतिथियों ने कहा कि मां एक ऐसा शब्द है जिसकी ममता जीवन भर अपने बच्चों पर हर परिस्थिति में रहती हैं। हम और आप सभी अपने बच्चों को सनातनी संस्कारों से भरपूर मार्गदर्शन करें जिससे बच्चों का भविष्य उज्जवल हो और बच्चों को चाहिए कि वह अपने मां-बाप की सेवा में हमेशा तत्पर रहे।

## निःशक्तजन अधिनियम लागू करने की मांग

ग्वालियर। मध्यप्रदेश में 2016-17 नि :शक्त जन एक्ट लागू नहीं होने से विकलांगजनों के साथ आमजन का अत्याचार कुछ ज्यादा ही बढ़ता जा रहा है। विकलांग बच्चियों के साथ बलात्कार जैसी घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं। जिस पर अंकुश लगाने के लिए मप्र कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ के महासचिव अनूप जौहरी शीघ्र ही ग्वालियर आईजी, कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक से मिलकर अधिनियम की किताब भेंट करेंगे। जौहरी ने बताया कि ग्वालियर सीमा में आने वाले सभी थानों में नि :शक्त जन एक्ट का नोटिफिकेशन जारी किए जाने हेतु अधिनियम की कानूनी किताबें भेंट की जाएंगी। इसके अलावा विकलांग, वृद्ध, विधवा एवं परित्यागता निराश्रितों को मध्यप्रदेश सरकार द्वारा मात्र 600 रुपए प्रतिमाह सामाजिक सुरक्षा पेंशन दी जा रही है जिसमे वृद्धि किए जाने की आवश्यकता है। मांग करने वालों में राज कुमार शर्मा, हमीद खां उस्मानी, देवेन्द्र वर्मा, परमाल सिंह कुशवाहा, मनोज भिलवार, राजेन्द्र मिश्रा, दिनेश प्रजापति, अनूप परिहार आदि शामिल हैं।

### विधायक क्रिकेट प्रीमियर लीग

## रात्रिकालीन मैचः पांच टीमें अगले दौर में

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जन उत्थान न्यास के तत्वावधान में हो रहे विधायक प्रीमियर लीग 2026 रात्रिकालीन टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन 5 मैच एमएलबी कॉलेज के खेल मैदान में सायं 4 बजे से आयोजित किए गए। पहला मैच सायं 4 बजे टीम 18/बी एवं टीम 18/एफ के मध्य खेला गया। दूसरा मैच सायं 5 बजे से टीम 25/ए एवं टीम 25/एफ के मध्य, तीसरा मैच टीम सायं 6 बजे से 59/ए एवं टीम 59/आई के मध्य, चौथा मैच सायं 7 बजे से टीम 60/ए एवं टीम 60/एस के मध्य, अंतिम पांचवां मैच रात्रि 8 बजे से टीम 56/बी एवं टीम 56/वाय के मध्य खेला गया।

मैच की शुरूआत में टूर्नामेंट के आयोजक, न्यास के अध्यक्ष एवं विधायक डॉ. सतीश सिकरवार ने मुख्य अतिथियों एवं विशिष्ट अतिथियों के साथ टीमों से परिचय किया और टीमों को शुभकामनाएं दी। टूर्नामेंट के अलग-अलग मैचों में शहर के प्रतिष्ठि व्यापारी संघो के अध्यक्षगण एवं अन्य पदाधिकारीगण अतिथियों के रूप में शामिल हुए। मैच में मुख्य अतिथियों के रूप से गालव डिस्ट्रीब्यूट एसोसियेशन के अध्यक्ष दीपक गुप्ता एवं ग्वालियर क्लॉथ एसोसियेशन नया बाजार के अध्यक्ष प्रीतम बघेल मौजूद रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में गालव डिस्ट्रीब्यूट एसोसियेशन के सचिव मनोज अग्रवाल (बाबा) एवं ग्वालियर क्लॉथ एसोसियेशन नया बाजार के सचिव विजय जाजू मौजूद रहे।

रविवार शाम एमएलबी मैदान पर पहला मैच वार्ड क्रमांक 18 की टीम 18/बी एवं टीम 18/एफ के के बीच खेला गया। मैच में 18/एफ के कप्तान आविद खान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी की। टीम ने 114 रन 5 विकेट के नुकसान पर बनाए। जिसमें नवनीत का सर्वाधिक 61 रन का योगदान रहा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी 18/बी 8 ओवर में 49 रन 5 विकेट के नुकसान पर सिमट गई। नवनीत को मैन आफ द मैच दिया गया।

दूसरा मैच वार्ड क्रमांक 25 की टीम 25/ए एवं टीम 25/एफ के बीच खेला गया। मैच में 25/एफ के कप्तान प्रदीप बाथम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। टीम 25/ए ने बल्लेबाजी करते हुए 93 रन 2 विकेट के नुकसान पर बनाए। जिसके विरूद्ध टीम 25/एफ ने 8 ओवर में 59 रन बनाए और हार का सामना करना पडा। टीम 25/ए के प्रमोद को 55 रन बनाने पर मैन ऑफ द मैच दिया गया। तीसरा मैच वार्ड क्रमांक 59 की टीम 59/ए एवं टीम 59/आई के बीच खेला गया, टीम 59/ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 74 रन 7 विकेट के नुकसान पर बनाए। जिसके विरूद्ध टीम 59/आई ने 75 रन 4 विकेट के नुकसान पर बनाए और जीत दर्ज की। मैन आफ द मैच सागर यादव को मिला।

## बागवानी के क्षेत्र में भी कैरियर बना सकती हैं महिला उद्यमी

ग्वालियर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) महिला विंग ने 'मातृ दिवस' की पूर्व संध्या पर महिला उद्यमियों के लिए विशेष कार्यशाला का आयोजन किया। जिसमें हॉर्टीकल्चर डिपार्टमेंट के सीनियर डवलपमेंट ऑफीसर सतीश त्यागी ने प्रदेश शासन की बागवानी के क्षेत्र में प्रस्तुत योजनाओं को महिला उद्यमियों को समझाया। उन्होंने कहा कि महिलाएं छोटे-छोटे उद्योग लगाकर जहां कार्य कर रही हैं, वहीं बागवानी के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं और राज्य शासन आसानी से ऋण उपलब्ध कराती है। उन्होंने कहा कि महिलाएं बागवानी के क्षेत्र में उद्यम स्थापित करें, हम भरपूर सहयोग करने के लिए तैयार हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में कैट के संयुक्त अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, कोर सदस्य योगेश मित्तल, कैट महिला विंग की प्रभारी निरुपमा मालपानी, कविता जैन, भारती महेश्वरी, ज्योति गोले आदि उपस्थित रहे। आभार रश्मि अग्रवाल ने व्यक्त किया।

## 51 इन्द्राणियों ने 51 जिन प्रतिमाओं का किया अभिषेक और शांतिधारा

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

ग्वालियर के इतिहास में पहली बार दिगंबर बीसपंथी जैन मंदिर चंपाबाग दानाओली में रविवार को पाठशाला प्रणेता मुनिश्री 108 अनुमान सागर महाराज के मंगल सानिध्य में 51 इन्द्राणियों के द्वारा पंचामृत अभिषेक ओर मंत्रों के साथ वृहद शांतिधारा की गई। जिसमें पहली बार 51 महिलाएं इंद्राणी बनकर भक्ति नृत्य के साथ भगवान जिनेंद्र की प्रतिमाओं पर कलशों से शांतिधारा की।

प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि मुनिश्री अनुमान सागर महाराज ने सर्व प्रथम 51 इन्द्राणियों से भूमि शुद्धि मंत्रो के साथ कराई। वहीं पांडुशिला पर केशर से श्री और स्वतिका बनवाया। 51 इन्द्राणियों ने हाथ में श्रीफल लेकर वेदी में विराजित जिन प्रतिमाओं से आज्ञा लेकर श्रीफल भेंटकर प्रतिमाओं को लेकर पांडुशिला पर विराजित

किया। मुनिश्री अनुमान सागर महाराज ने मंत्रों से प्रथम अभिषेक और शांतिधारा निधि अजय छाबड़ा, दूसरी अनामिका पंकज जैन, राखी विहर्ष जैन, तीसरी खुशबू जैन ने कलशों से किया। वहीं 51 इन्द्राणियों ने लाल गुलाबी साड़ी, सिर पर मुकुट पहनकर अलग-अलग चौबीस तीर्थंकर प्रतिमाओं का जल, आमरस, दूध, दही, घी, केशर, सर्व औषधिक पुष्प वर्षा, अन्य रसों से अभिषेक किया। इस दौरान मंदिर परिसर जयकारों से गूंज उठा।

### पूजन और दान करने से पुण्य का संचार होता है

मुनिश्री अनुमान सागर महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस संसार में जो प्राणी भगवान का इंद्र-इंद्राणी बनकर अभिषेक और पूजन करता है वही प्राणी स्वर्ग में जाकर इंद्र इंद्राणी बनते है। जो व्यक्ति अभिषेक पूजा नहीं करते उन्हें स्वर्ग में जगह नहीं मिलती। जीवन में पूजन ओर दान करने से पुण्य का संचार होता हैं।

**कभी-कभी आपके बच्चे किसी पार्टी में अपनी शरारतों से मुश्किलों का सबब बन जाते हैं। अगर आप कुछ छोटी-छोटी बातों पर अमल करती हैं, तो आप खुद के साथ-साथ औरों को भी परेशानी से बचा सकती हैं।**

# परेशानी का सबब न बने बच्चे

**सुशीला** का तीन साल का बच्चा सोनू बहुत ही शैतान है। छोटा होने के कारण वह हर जगह अपनी मां के साथ जरूर जाता है। उसकी सहेली पूजा की किटी-पार्टी में उसने जो उधम मचाया, जिससे पार्टी का मजा तो किरकिरा हुआ ही साथ ही आपको भी नीचा देखना पड़ा। बच्चे की शैतानी के कारण सीमा के महंगे टी-सैट का एक कप टूट गया जिससे उनका मन कड़वाहट से भर गया।

## ज्यादातर बच्चे होते हैं शरारती

ऐसा नहीं है कि लड़के शैतान होते हैं। लड़कियां भी कम जिद्दी व शैतान नहीं होतीं। इस तरह की समस्याएं किन्हीं दो-चार महिलाओं की नहीं वरन् अधिकतर महिलाओं को इस दौर से गुजरना पड़ता है। उन्हें हर रोज ही इस तरह की किसी न किसी शर्मनाक स्थिति से दो-चार होना पड़ता है। तो क्या इसी वजह से वे कहीं आना-जाना छोड़ दें, या फिर बच्चे को साथ ही न ले जाएं? तो फिर उसे कहां छोड़ें?

## जिम्मेदारी किसकी बनती है

कई महिलाओं का यह भी तर्क है कि जब तक बच्चा इस तरह सभा-सोसायटी में जाएगा नहीं तो वह उठने-बैठने के तौर तरीके सीखेगा कैसे?ये सब तर्क किसी हद तक वाजिब भी हैं, परंतु आपका लाडला दूसरों की परेशानी का सबब बन जाए, यह भी तो उचित नहीं है। मां होने के नाते बच्चे को संभालने की जिम्मेदारी आप ही की है।

## ...तो फिर घर छोड़कर आएं

जब तक आपका बच्चा समझदार न हो जाए, आपको ही अपने सुखों का त्याग करना होगा। यह भी ठीक नहीं है कि हर समय आप ही त्याग करें। इसके लिए पति-पत्नी दोनों को मिलकर सहयोग करना होगा। घर में यदि कोई दूसरी महिला जैसे मां, सास-नन्द, जेठानी, देवरानी हो तो बच्चा कुछ समय के लिए उनके पास भी छोड़ा जा सकता है।

## छुट्टी लेने का विकल्प भी

किसी पार्टी या ऐसी ही कोई पार्टी जहां केवल महिलाएं ही आती हों, बच्चे को साथ न ले जाएं। महीने में यदि पति को इसके लिए एक छुट्टी भी लेनी पड़े तो कोई बुराई नहीं है। यदि कहीं ऐसा हो कि पार्टी में पति-पत्नी दोनों की उपस्थिति अनिवार्य हो तो वहां ज्यादा देर न ठहरें। बधाई देकर और क्षमा-याचना करके घर वापस आ जाएं।

**हमारे यहां कहा जाता है कि भोजन परोसना एक कला है। भारत में हर प्रांत का जिस तरह खानपान अलग है, वैसे ही विशिष्ट है परोसने का तरीका। विभिन्न क्षेत्रों में परोसी जाने वाली थाली की क्या विशेषताएं होती हैं, आइए जानते हैं।**

# हर ढंग का है खास स्वाद

## मालवी थाली

**मालवा** में दाल-बाफला मुख्य भोजन के रूप में परोसा जाता है। बाफला बाटी का ही रूप है, लेकिन बाफलों को आंच में सेंकने से पहले पानी में हल्दी डालकर उबाला जाता है। दाल-बाफले को कढ़ी, आलू की सब्जी, चावल, धनिया पत्ती और पोदीने की चटनी और रवे के लड्डू के साथ परोसा जाता है। मालवी खाने को पत्तल पर परोसा जाता है। पत्तल पर सामने की ओर सबसे पहले नमक और नीबू रखा जाता है। उसके बगल में चटनी रखी जाती है। फिर बाएं हाथ की ओर दोने में दाल और कढ़ी परोसी जाती है। उसी के पास बाफले रखे जाते हैं और बिलकुल बीच में चावल परोसे जाते हैं। शुरुआत में बहुत थोड़ा सा चावल रखा जाता है। यह ऐसा खाना है, जो बफे में नहीं खाया जा सकता। इसे पंगत में ही खाया जाता है। ठेठ मालवी में इसे पंगत जीमना कहा जाता है। चावल भोजन का अंत माना जाता है। भोजन के बाद एक पेय परोसा जाता है, जिसे झोलिया कहा जाता है। इसे कच्चे आम से बनाया जाता है। मनुहार से खिलाना मालवी खाने का विशेषता है।

## महाराष्ट्रीयन थाली

किसी खास मेहमान के आने पर आज भी महाराष्ट्र में भोजन पारंपरिक रूप से केले के पत्ते या चांदी की थाली में परोसा जाता है। खाने के साथ इसमें आसपास की सजावट को भी उतनी ही अहमियत दी जाती है। थाली के आसपास फूलों की बेल की खूबसूरत रंगोली बनायी जाती है। सुगंधित अगरबत्ती लगायी जाती है। थाली में बायीं ओर से सबसे पहले नमक, नीबू, कम से कम 3 प्रकार की चटनियां, कोशिबीर (दही में ककड़ी, टमाटर डाल कर बनाया जाता है), रायता भजिए (पकौड़े), बड़े, पापड़, कुरडई और पापड़ी परोसी जाती है। इसके बाद बायीं ओर तरीवाली सब्जी, सूखी सब्जी, रोटी, पूरणपोली व कोई भी मिठाई (श्रीखंड या बासूंदी) रखी जाती है। सबसे बाद में खाने वाले के सामने मसाला भात रखा जाता है। इसके बगल में सादा भात रखा जाता है। भात परोसने का ढंग भी अलग होता है। भात को कटोरी में भर कर थाली में उलट दिया जाता है फिर दाल परोसने की करछी से हल्का सा दबा कर छोटा सा गड्ढा बना कर इसमें दाल परोसी जाती है। दाल में घी डालते ही खाने की शुरुआत हो जाती है।

## बंगाली थाली

भोज कही जाने वाली बंगाली थाली में सात्विक और तामसिक दोनों का समावेश होता है। दुर्गा पूजा में 4 तरह के भोज का आयोजन किया जाता है। अष्टमी पर्व से इसकी शुरुआत हो जाती है। अष्टमी के दिन सात्विक यानी शाकाहारी भोजन से भोज शुरू होता है। भोज में खिचूरी, लाब्रा, कई प्रकार के भाजा (भजिए), चटनी, पापड़ और खीर परोसी जाती है। इसके बाद बनने वाले खाने में हिल्सा फ्राई, मोगलाई आलू भाजा, मोगलाई शाक भाजा, मोचर (केले के फूल) कटलेट, राधा बल्लभी मुख्य रूप से बनायी जाती है। जिस तरह केरल की थाली में केले का पत्ता अहम स्थान रखता है, वैसे ही बंगाली भोज कांसे की थाली में परोसा जाता है।

**फ्रेंडशिप के दिन आप अपनी गर्लफ्रेंड के साथ जरूर कोई ऐसा दिन बिताना चाहते होंगे, जो आपकी जिंदगी का सबसे यादगार दिन बन जाए। सच अगर ऐसा दिन वाकई में मिल जाए, तो फिर बात ही क्या है! तो चलिए जानते हैं, बेहद रोमांटिक डेट आइडियाज, जो आपके ख्वाबों व जिंदगी की रियलिटी को एक कर देंगे और साथ ही आपको कुछ अलग करने का अहसास भी देंगे।**

# रियल जिंदगी में डेटिंग

## एडवेंचरस डेट

अगर आप दोनों एक खूबसूरत डेट के साथ एडवेंचर का मजा भी लें, तो यह आपके रिलेशन में नई ताजगी घोल देगा। इसके तहत आप कोई ऐसा डेस्टिनेशन चुनें, जो प्रकृति के करीब होने के साथ वहां स्केटिंग, होर्स राइडिंग, डीप फिशिंग वगैरह की सुविधा हो। ये चीजें जहां आपको एडवेंचर का पूरा लुत्फ देंगी, वहीं इसमें उनका साथ आपका दिन बना देगा।

## सस्ती व टिकाऊ डेट

गर्लफ्रेंड को डेट पर ले जाने के दौरान अक्सर आप अपनी जेब पर एक नजर डालते होंगे तो जनाब, ऐसे में आप उन्हें ऐसी जगह ले जा सकते हैं, जहां ज्यादा खर्च भी न हो और आपका समय भी बढ़िया बीते। मसलन आप दोनों शाम के समय लॉन्ग वॉक पर जा सकते हैं, कोई मूवी का प्लान कर सकते हैं या फिर किसी पार्क में जाकर घंटों एक-दूसरे से बातें करें। वैसे, यह जरूरी नहीं कि आप किसी महंगे रेस्तरां में ही जाएं। किसी सस्ते रेस्तरां में सिर्फ कॉफी या कुछ डेजर्ट से भी काम चल सकता है। हालांकि ऐसे में आपका उन्हें प्यार से निहारना और प्यार भरी बातें करना जरूरी है।

## ड्रीम डेट

फ्रेंडशिप के दिन आप अपनी डेट खुद डिसाइड करें। उन ख्वाबों का याद करें, जिन्हें आपने उनके साथ देखा था। मसलन अगर आपने कभी ख्वाब में सोचा है कि आप दोनों वाइट कलर की ड्रेस पहनकर किसी समुद्र के किनारे बैठे हैं और वहां शाम के समय एक-दूसरे से रोमांटिक बातें कर रहे हैं, तो आप ऐसा कर सकते हैं। अपनी गर्लफ्रेंड को एक प्यारी-सी वाइट ड्रेस गिफ्ट करें और खुद के लिए भी वाइट ड्रेस खरीदें। कहीं ऐसी जगह का प्लान करें, जहां आपको ऐसा ही नजारा देखने को मिले, तो लीजिए हो गई आपकी ड्रीम डेट पूरी।

## गोइंग आउट डेट

मॉल में घूमें व अखबार देखें। इस तरह आपको अपने शहर में हो रहे अपने इंटरेस्ट व टेस्ट के मुताबिक होने वाले इवेंट्स की जानकारी मिल जाएगी। इसके अलावा आप शहर के नजदीक किसी पिकनिक स्पॉट पर भी जा सकते हैं।

## प्राइवेट डेट

अगर आप एक-दूसरे के साथ कोई ऐसा दिन बिताना चाहते हैं, जहां आप दोनों के सिवाय और कोई तीसरा न हो, तो ऐसे में आप किसी फाइव स्टार होटल में फाइव कोर्स डिनर का मजा ले सकते हैं या फिर कैंडिल नाइट डिनर के साथ-साथ उनके साथ किसी रोमांटिक सॉन्ग पर डांस भी कर सकते हैं। इसके बाद एक प्यारा सा किस आपकी शाम को बेहतरीन बना देगा।

## दोस्ती का नाजुक धागा

दोस्ती का धागा बहुत ही नाजुक होता है। जरा सा भार पड़ा नहीं कि अच्छे अच्छे बिछुड़ जाते हैं। बचपन की दोस्ती को ही ले लीजिए। मैंने और आपने कितने दोस्तों से हमेशा साथ रहने की बात की थी, लेकिन क्या अब वह सभी दोस्त साथ हैं, नहीं ना। कहां गए वह दोस्त क्या किसी भीड़ में खो गए हैं या हमसे बहुत दूर चले गए। बचपन में दोस्त तो बहुत जल्दी बन जाते थे, पर अब दोस्त बनाना थोड़ा मुश्किल हो गया है और दोस्त बनाने के बाद भी आराम नही मिलता, दोस्ती आगे बढ़ाने के लिए भी काफी बेलन बेलने पड़ते हैं।

## दोस्त ऑनेस्ट

दोस्ती में ऑनेस्टी सबसे बड़ा मूल्य है। यदि फ्रेंडशिप में ऑनेस्टी होगी तो यह ज्यादा मजबूत होगी। कई बार देखा गया है कि ऑनेस्टी न होने के कारण ही कॉलेजेस में कई अच्छी दोस्ती टूट जाती है और जिंदगी में हमेशा के लिए एक कड़वा स्वाद दे जाती है। कई स्टूडेंट इस अनुभव को जिंदगीभर नहीं भूल पाते हैं। इसलिए अपने दोस्त के प्रति ईमानदार रहें।

## लव एंड केयर

दोस्ती में प्यार-मोहब्बत न हो तो मजा ही क्या है। लेकिन प्यार-मोहब्बत का मतलब किसी तरह का स्वार्थ नहीं होता। यह किसी मतलब से नहीं की जाती और न ही इसके जरिए कोई मतलब हासिल किया जाता है। इसमें तो एक-दूसरे के प्रति लव एंड केयर की भावना होती है। एक-दूसरे का ध्यान रखा जाता है, एक-दूसरे की पसंद-नापसंद का ध्यान रखा जाता है।

## अंडरस्टैंडिंग

यदि प्यार-मोहब्बत हो और अंडरस्टैंडिंग न हो तो भी बात नहीं बनती। कई बार दोस्तों में दरार आ जाती है और दोस्ती टूट जाती है। इसका एक बड़ा कारण होता है अंडरस्टैंडिंग की कमी। यदि दो दोस्तों के बीच बेहतर अंडरस्टैंडिंग होगी तो यह ज्यादा मजबूत होगी। अपने दोस्त को बेहतर ढंग से जानने-समझने की कोशिश करेंगे, तो गलतफहमियां पैदा नहीं होंगी।

# दोस्ती और प्यार

दोस्ती और प्यार में कहने को तो लफ्जों का ही अंतर है, परंतु इनकी गुत्थमगुत्थी में दोस्ती कब प्यार बन जाती है और दोस्त कब प्रेमी, इसके बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता है।

**बनते हैं हमसफर:** जिंदगी के हर मोड़ पर कई लोग हमसे टकराते हैं, उनमें से कुछ ऐसे होते हैं, जो हमारे दिल पर अपनी गहरी छाप छोड़ जाते हैं। ऐसे लोग हमारे दोस्त, प्रेमी या हमसफर बन जाते हैं।

**अच्छा लगता है:** दोस्त का हमेशा साथ रहना धीरे-धीरे अच्छा लगने लगता है। कल तक हर वक्त झगड़ने वाला दोस्त अब हमें अच्छा लगने लगता है। उसकी डांट में भी प्यार का एहसास छुपा होता है और वही एहसास हमारे दिल में जगह कर जाता है।

**मुश्किल से मिलता है दोस्त:** इस दुनिया में पति-पत्नी, मां-बाप सभी मिल जाते हैं, परंतु हमें समझने वाला एक अच्छा दोस्त बड़ी मुश्किल से मिलता है। जमाना भले ही इसे कुछ भी नाम दे, पर दोस्ती की कोई परिभाषा नहीं होती। इस रिश्ते में दिखावे का कोई काम नहीं होता। इसे तो दिल से जिया जाता है।

**दोस्त है मेरा हमराज:** हमारे दर्द का मरहम सच्चा दोस्त है। दोस्त ही हमें दु:ख-दर्दों के थपेड़ों से बचाकर हमें सुरक्षा प्रदान करता है। जो राज हम अपनों से नहीं कह पाते, वह हम अपने दोस्त को बताकर उसके सामने एक खुली किताब से बन जाते हैं। ऐसा इसलिए होता है कि हमारा दोस्त ही हमें समझ सकता है। वही जानता है कि हमें किस चीज की कब जरूरत है। प्यारा सा लगने वाला यह हमराज कब हमारा हमसफर बन जाता है, पता ही नहीं चलता।

**जीवन भर बना रहे तेरा साथ:** बचपन और लड़कपन का यह साथ, जिसे हम दोस्ती कहते हैं, इतना अच्छा लगने लगता है कि इस रिश्ते को जीवन भर निभाने का दिल करता है। जो दोस्त बनकर अब तक हमारे साथ चल सकता है। वो अगर हमसफर बनकर जीवनभर हमारा साथ भी निभाए, तो इसमें हर्ज ही क्या है?

**सच्चा दोस्त नहीं मिलता:** इस दुनिया में पति-पत्नी, मां-बाप सभी मिल जाते हैं, परंतु हमें समझने वाला एक अच्छा दोस्त बड़ी मुश्किल से मिलता है। जमाना भले ही इसे कुछ भी नाम दे, पर दोस्ती की कोई परिभाषा नहीं होती। इस रिश्ते में दिखावे का कोई काम नहीं होता। इसे तो दिल से जिया जाता है।

## राजस्थान 5वें स्थान पर ■ मुंबई और लखनऊ पर प्लेऑफ रेस से बाहर होने का खतरा

# आईपीएल का गणित-गुजरात लगातार चौथी जीत से नंबर-2

**मुकाबला**

नई दिल्ली, एजेंसी

गुजरात टाइटंस ने शनिवार को IPL में राजस्थान को 77 रन से हरा दिया। सवाई मानसिंह स्टेडियम में मिली जीत से टीम पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। नेट रन रेट कम होने से टीम पहले स्थान पर नहीं पहुंच सकी। वहीं, राजस्थान 5वें नंबर पर खिसक गई।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान ने टॉस जीता। गुजरात ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 229 रन बनाए। जवाब में राजस्थान 16.3 ओवर में 152 रन पर ऑलआउट हो गई। 4 विकेट लेने वाले राशिद खान प्लेयर ऑफ द मैच बने। गुजरात ने मौजूदा सीजन में लगातार चौथी जीत दर्ज की। वहीं, राजस्थान को लगातार दूसरे और ओवरऑल पांचवें मैच में हार झेलनी पड़ी।

शुभमन गिल की टीम ने 11 में से 7 मैच जीते हैं और 4 हारे हैं। टीम के पास 14 अंक हैं। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे एक और जीत चाहिए।

राजस्थान ने सीजन में 5वां मैच गंवाया। उसके 11 मैचों में 12 अंक हैं। टीम अब भी 18 अंक तक पहुंचकर प्लेऑफ में जगह बना सकती है। हार्दिक पंड्या की मुंबई इंडियंस के लिए यह मुकाबला करो या मरो जैसा है। टीम हारती है तो प्लेऑफ रेस से बाहर हो जाएगी। उम्मीदें बनाए रखने के लिए उसे अपने सभी मैच जीतने होंगे और दूसरी टीमों के नतीजों पर निर्भर रहना होगा। मुंबई 10 में से 7 मैच हार चुकी है और उसके 6 अंक हैं। टीम अब भी 14 अंक तक पहुंच सकती है, लेकिन इतने अंक प्लेऑफ के लिए काफी नहीं होंगे। सीजन के 51 मैचों के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासन 494 रन के साथ ऑरेंज कैप लीडरबोर्ड में टॉप पर हैं। उनके साथी खिलाड़ी अभिषेक शर्मा 475 रन के साथ दूसरे और दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल 468 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

**आईपीएल में रविवार को 2 मैच खेले जाएंगे। पहला मुकाबला चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच दोपहर 3:30 बजे से होगा। दूसरा मैच रायपुर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और मुंबई इंडियंस के बीच शाम 7:30 बजे से खेला जाएगा।**

### लखनऊ हारी तो प्लेऑफ से बाहर होगी

लखनऊ का सीजन बेहद खराब रहा है। टीम 10 में से 7 मैच हारकर पॉइंट्स टेबल में 10वें स्थान पर है। अगर टीम चेन्नई से हारती है, तो वह प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी। इस स्थिति में टीम अधिकतम 12 अंक तक ही पहुंच सकेगी, जो प्लेऑफ के लिए काफी नहीं होंगे। लखनऊ के पास 3 जीत के साथ 6 अंक हैं।

> ऋतुराज गायकवाड की कप्तानी वाली चेन्नई के पास टॉप-4 में पहुंचने का मौका है। टीम अभी छठे नंबर पर है। अगर चेन्नई लखनऊ को बड़े अंतर से हराती है, तो वह राजस्थान को पीछे छोड़ सकती है। टीम के 4 मैच बाकी हैं, जिनमें 2 घरेलू मैदान पर होंगे।

### बेंगलुरु के पास टेबल टॉपर बनने का मौका

आज के मैच में बेंगलुरु के पास टेबल टॉपर बनने का मौका है। टीम 10 में से 6 मैच जीतकर 12 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। मैच जीतने पर बेंगलुरु के 14 अंक हो जाएंगे। इतने ही अंक सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस के पास भी हैं। बेहतर नेट रन रेट के कारण जीत के साथ बेंगलुरु नंबर-1 पर पहुंच जाएगी।

# आईपीएल टिकट ब्लैक करने वाला गिरोह पकड़ाया

### फ्लाइट से सभी वेन्यू पर टिकट बेचने जाते थे 3 आरोपी

नई दिल्ली, एजेंसी

8 मार्च को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम के पास IPL मैचों की टिकटों और कॉम्प्लिमेंट्री पास की ब्लैक मार्केटिंग करने वाले एक बड़े गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है।

क्राइम ब्रांच की टीम ने दिल्ली गेट के पास 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स मैच से पहले खुद को DDCA का अधिकृत प्रतिनिधि बताकर क्रिकेट प्रेमियों को ठग रहे थे। एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि ये पास अरुण जेटली स्टेडियम में पास एक पेट्रोल पंप में बिक रहे थे। पुलिस ने 54 मैच टिकट बरामद किए हैं, जिनमें 33 ऐसे कॉम्प्लिमेंट्री पास हैं जिन पर 'नॉट फॉर सेल' लिखा हुआ है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान मुकीम (मुरादाबाद), गुफरान उर्फ साजिद (जामिया नगर) और मोहम्मद फैसल (सीलपुर) के रूप में हुई है। ये आरोपी मुफ्त पास को 20,000 प्रति पास की भारी-भरकम कीमत पर बेच रहे थे, जबकि सामान्य टिकटों को प्रिंट रेट से दोगुने दाम पर बेचा जा रहा था। DCP संजीव कुमार यादव (IPS) ने बताया कि आरोपियों को पुलिस रिमांड पर लिया गया है। इस सिंडिकेट में शामिल अन्य लोगों की पहचान के लिए जांच जारी है। अगर किसी और व्यक्ति की संलिप्तता पाई जाती है, तो उसके खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि यह गिरोह केवल दिल्ली ही नहीं, बल्कि पूरे भारत में सक्रिय था। आरोपी फ्लाइट से उन शहरों की यात्रा करते थे जहां IPL मैच आयोजित होते थे।

# रेसलर विनेश 26 जून तक घरेलू मुकाबले नहीं खेल पाएंगी

### डोपिंग नियमों के उल्लंघन पर बैन, रेसलिंग फेडरेशन ने कहा- उनके व्यवहार से शर्मिंदगी हुई

जींद, एजेंसी

भारतीय कुश्ती महासंघ ने ओलिंपियन रेसलर विनेश फोगाट पर 26 जून तक डोमेस्टिक कॉम्पिटिशन खेलने पर बैन लगा दिया है। WFI ने शनिवार को फोगाट को अनुशासनहीनता और एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन के आरोप में कारण बताओ नोटिस जारी किया। WFI ने शनिवार को जारी 15 पन्नों के नोटिस में लिखा कि विनेश ने संन्यास से वापसी के लिए छह महीने पहले सूचना नहीं दी। इससे WFI संविधान, यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग नियमों तथा एंटी-डोपिंग प्रावधानों का उल्लंघन हुआ।

WFI ने कहा- उनके व्यवहार से भारतीय कुश्ती की छवि को नुकसान पहुंचा और राष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी हुई। साथ ही विनेश से चार प्रमुख आरोपों पर जवाब मांगा और पूछा कि कार्रवाई क्यों नहीं की जाए।

अगस्त 2024 में हुए पेरिस ओलिंपिक में ओवर वेट पाए जाने पर विनेश फोगाट को डिसक्वालीफाई किया गया था। तब उन्होंने कुश्ती से संन्यास लेने का ऐलान किया था। हालांकि, बाद में उन्होंने अपना फैसला वापस ले लिया। इधर, 18 दिसंबर 2025 को बेंगलुरु में हुए डोप टेस्ट में शामिल न होने पर इसी महीने 4 मई को इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी (ITA) ने विनेश फोगाट को नोटिस जारी किया था।

विनेश फोगाट ने 3 मई को WFI के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर एक बार फिर गंभीर आरोप लगाए थे। सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर करके विनेश ने कहा था, यूपी के गोंडा में 10 से 12 मई के बीच सीनियर ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट हो रहा है।

आज कुछ मजबूरियों के चलते मैं कहना चाहती हूं कि बृजभूषण शरण के खिलाफ कंप्लेंट करने वाले उन 6 विक्टिम में मैं भी शामिल हूं। मेरी गवाही भी कोर्ट में चल रही है। मेरा उसके घर (गोंडा) में जाकर कॉम्पिटीशन लड़ना मुश्किल होगा।

## गुजरात की सबसे बड़ी आईपीएल जीत ■ जडेजा ने बटलर का विकेट जेब में डाला

# वैभव सूर्यवंशी के टी-20 में सबसे तेज 100 छक्के

नई दिल्ली, एजेंसी

गुजरात ने शनिवार को राजस्थान को 77 रन से हराकर IPL इतिहास की अपनी सबसे बड़ी जीत हासिल की। जयपुर में खेले गए मैच में राजस्थान के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने सबसे तेज 100 टी-20 छक्के पूरे करने का रिकॉर्ड बनाया। रवींद्र जडेजा ने जोस बटलर का विकेट लेने के बाद जेब में डालने वाला खास सेलिब्रेशन भी किया।

गुजरात ने रनों के अंतर से अपनी अब तक की सबसे बड़ी जीत हासिल की। पिछला रिकॉर्ड 62 रन का था। 12वें ओवर में रवींद्र जडेजा की गेंद पर शुभमन गिल को जीवनदान के साथ छक्का मिला। जडेजा की लेग स्टंप पर स्लॉट गेंद पर गिल ने एक घुटने पर बैठकर बड़ा शॉट खेला। गेंद डीप मिडविकेट पर शिमरॉन हेटमायर के पास गई, लेकिन वह कैच नहीं पकड़ सके और गेंद बाउंड्री पार चली गई। 14वें ओवर की दूसरी गेंद पर रवींद्र जडेजा ने जोस बटलर को डोनोवान फरेरा के हाथों कैच आउट कराया। इसके बाद जडेजा ने विकेट जेब में डालने का इशारा किया। दोनों के बीच 12 भिड़ंत में जडेजा ने बटलर को 3 बार आउट किया है। बटलर ने जडेजा की 66 गेंदों पर 82 रन बनाए हैं। राजस्थान की पारी के 8वें ओवर में राशिद खान ने ध्रुव जुरेल और डोनोवन फरेरा को बोल्ड किया। तीसरी गेंद पर जुरेल 24 रन बनाकर आउट हुए।

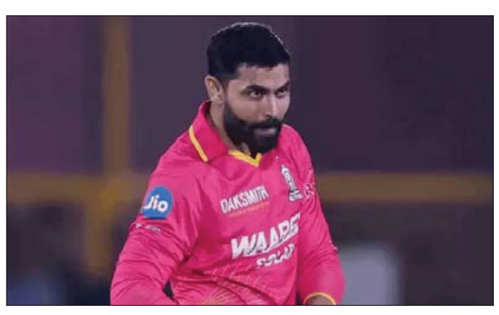

### आर्चर ने सबसे लंबे आईपीएल ओवर के रिकॉर्ड की बराबरी की

मैच का पहला ओवर राजस्थान की ओर से जोफ्रा आर्चर ने डाला। इस ओवर को पूरा करने में उन्हें 11 गेंदों लग गईं। इस ओवर में उन्होंने 4 वाइड और एक नो-बॉल सहित 18 रन दिए। यह IPL इतिहास का संयुक्त रूप से सबसे लंबा ओवर भी रहा।

■ ध्रुव जुरेल का विकेट लेने के बाद खुशी मनाते राशिद खान (बाएं)।

### पिंक प्रॉमिस के तहत पिंक जर्सी में उतरी राजस्थान

राजस्थान की टीम गुजरात के खिलाफ ऑल पिंक जर्सी में उतरी। टीम ने पिंक प्रॉमिस अभियान के तहत यह जर्सी पहनी। राजस्थान रॉयल्स पिछले कुछ सीजन से IPL में एक मैच पिंक जर्सी में खेलती है। यह पहल ग्रामीण राजस्थान की महिलाओं की मदद के लिए है। इसके तहत हर सिक्स पर रॉयल्स अपने स्पॉन्सर के साथ मिलकर छह घरों में सोलर लाइट लगाती है।

## आईपीएल 2026 : तिलक ने 37 गेंदों पर बनाया अर्धशतक

# बेंगलुरु 2 विकेट से जीता, मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की रेस से बाहर

समाचार ■ रायपुर

आरसीबी ने क्रु णाल पंड्या की शानदार अर्धशतकीय पारी साथ ही आखिरी ओवर में भुवनेश्वर कुमार के छक्के की मदद से मुंबई इंडियंस को बेहद रोमांचक मुकाबले में 2 विकेट से हरा दिया। वहीं इस हार के बाद मुंबई की टीम इस सीजन में प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई। रविवार को मुंबई से पहले लखनऊ भी प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई और वो इस दौड़ से बाहर होने वाली दूसरी टीम बन गई।

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 54वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना मुंबई इंडियंस के साथ शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, रायपुर में हुआ। इस मुकाबले में आरसीबी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। इसके बाद मुंबई ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 166 रन बनाए और आरसीबी को जीत के लिए 167 रन का लक्ष्य दिया।

इसके जवाब में आरसीबी ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 167 रन बनाए और मैच जीत लिया।

**तिलक वर्मा का अर्धशतक-** रोहित शर्मा ने 10 गेंदों पर 22 रन की पारी खेली जबकि रयान रिकेल्टन 2 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। कप्तान सूर्यकुमार यादव का खराब फॉर्म जारी रहा और वो गोल्डन डक पर आउट हो गए। नमनधीर ने 47 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन बोल्ड हो गए। विल जैक्स ने सिर्फ 10 रन की पारी खेली। तिलक वर्मा ने 37 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और 57 रन के स्कोर पर आउट हुए। राज बावा 16 रन के स्कोर पर आउट हो गए। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने शानदार गेंदबाजी की और सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए।

### क्रुणाल पंड्या ने खेली 73 रन की पारी

विराट कोहली मुंबई के खिलाफ भी डक पर आउट हुए तो वहीं देवदत्त पडीक्कल 12 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठे। जैकब बेथेल ने 27 रन की पारी खेली जबकि कप्तान रजत पाटीदार 8 रन पर आउट हो गए। क्रुणाल पंड्या ने 32 गेंदों पर अर्धशतक लगाया और 73 रन बनाकर आउट हुए। जितेश शर्मा 18 रन बनाकर आउट हुए जबकि टिम डेविड खाता भी नहीं खोल पाए। शेफर्ड 4 रन बनाकर आउट हो गए। भुवनेश्वर कुमार 7 रन बनाकर नाबाद रहे जबकि मुंबई की तरफ से कार्बिन बॉश ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

## इंग्लिस के अर्धशतक पर उर्विल ने फेरा पानी

# चेन्नई ने लखनऊ को 5 विकेट से हराया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (आईपीएल 2026) के 53वें मैच में रविवार 10 मई को चेन्नई सुपर किंग्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 5 विकेट से हराया। चेन्नई के चेपक स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। लखनऊ सुपर जायंट्स ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 203 रन बनाए। चेन्नई सुपर किंग्स ने 19.2 ओवर में 5 विकेट पर 208 रन बना लिए। जोश इंग्लिस की बेहतरीन अर्धशतकीय पारी पर उर्विल पटेल ने पानी फेर दिया। उन्होंने 13 गेंद पर ही अर्धशतक जड़ दिया। इस जीत के साथ चेन्नई सुपर किंग्स के 12 अंक हो गए। लखनऊ सुपर जायंट्स आधिकारिक तौर पर प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली पहली टीम बनी।

लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए जोश इंग्लिस ने 33 गेंद पर 85 रन बनाए। शाहबाज अहमद ने 25 गेंद पर नाबाद 43 रन बनाए। अक्षत रघुवंशी 18, हिम्मत सिंह 17 और ऋषभ पंत 15 और मिचेल मार्श 10 रन बनाकर आउट हुए। एडेन मार्करम 6 और निकोलस पूरन 1 रन बनाकर आउट हुए। मोहम्मद शमी बगैर खाता खोले आउट हुए। आवेश खान बगैर खाता खोले नाबाद रहे। मुंबई इंडियंस के लिए जेमी ओवरटन ने 3 विकेट लिए। अंशुल कम्बोज ने 2 और नूर अहमद ने 1 विकेट लिए।

चेन्नई सुपर किंग्स के लिए उर्विल पटेल ने 23 गेंद पर 65 रन बनाए। ऋतुराज गायकवाड़ ने 42 रन बनाए। संजू सैमसन ने 28 रन बनाए। कार्तिक शर्मा ने 20 रन बनाए। डेवाल्ड ब्रेविस ने 10 रन बनाए। शिवम दुबे 15 और प्रशांत वीर 18 रन बनाकर नाबाद रहे। लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए दिग्वेश राठी और शाहबाज अहमद ने 2-2 विकेट लिए।

आवेश खान ने 1 विकेट लिए। चेन्नई सुपर किंग्स की प्लेइंग 11 में कोई बदलाव नहीं हुआ। लखनऊ सुपर जायंट्स की प्लेइंग 11 में 2 बदलाव हुए। जोश इंग्लिस और आवेश खान की वापसी हुई।

**तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंची सीएसके-** सीएसके इस जीत के साथ ही अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। सीएसके के 11 मैचों में छह जीत और पांच हार के साथ 12 अंक हैं। सीएसके ने बेहतर नेट रन रेट के कारण राजस्थान रॉयल्स को पीछे छोड़ दिया है। राजस्थान के भी इतने ही अंक हैं। वहीं, लखनऊ प्लेऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो गई है। लखनऊ 11 मैचों में तीन जीत और आठ हार के साथ छह अंक लेकर तालिका में सबसे नीचे 10वें स्थान पर मौजूद है।

# ईरान ने विश्व कप में हिस्सा लेने के लिए मांगी गारंटी

**तेहरान।** ईरान ने संकेत दिया है कि वह इस गर्मी में होने वाले फुटबॉल वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगा, लेकिन टीम के हिस्सा लेने को लेकर बढ़ते तनाव के बीच उसने फीफा और टूर्नामेंट के मेजबानों से कई तरह की गारंटी की मांग की है।

ईरानी फु टबॉल फेडरेशन ने कहा कि ईरान टूर्नामेंट में अपनी मान्यताओं, संस्कृति और सिद्धांतों से बिना किसी समझौते के मुकाबला करेगा, साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि मेजबानों को हमारी चिंताओं को ध्यान में रखना चाहिए। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार, ये मांगें तब सामने आई जब पिछले महीने फीफा कांग्रेस से पहले ईरानी फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष मेहदी ताज को कनाडा में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई थी। बाद में ताज ने बताया कि ईरान ने वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने के लिए फीफा के सामने 10 शर्तें रखी थीं। यह टूर्नामेंट 11 जून से संयुक्त राज्य अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में शुरू होगा।

# मेसी एमएलएस के इतिहास में 100 गोल में योगदान देने वाले सबसे तेज खिलाड़ी बने

एजेंसी ■ टोरंटो

अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनेल मेसी आधिकारिक तौर पर मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) के इतिहास में रेगुलर-सीजन के 100 गोल में योगदान देने वाले सबसे तेज खिलाड़ी बन गए हैं। मेसी ने रविवार को इंटर मियामी की टोरंटो एफसी पर 4-2 की जीत के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने एक गोल किया और दो अन्य गोल में मदद की। मेसी ने सिर्फ 64 मैचों में 100 योगदानों का आंकड़ा छू लिया, जो पिछले रिकॉर्ड धारक सेबेस्टियन जियोविंको से 31 मैच कम है। एमएलएस में 2023 की गर्मियों में आने के बाद से, उनके रिकॉर्ड 100 रेगुलर-सीज़न गोल योगदानों में 59 गोल और 41 असिस्ट शामिल हैं।

# फ्रांस को हराकर चीन विश्व टेबल टेनिस के फाइनल में

**लंदन।** चीन ने शनिवार को एक रोमांचक सेमीफाइनल में फ्रांस को 3-1 से हराकर 2026 आईटीटीएफ वर्ल्ड टीम टेबल टेनिस चैंपियनशिप के पुरुषों के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। यह मुकाबला लियांग जिंगकुन की शानदार वापसी की वजह से चीन के पक्ष में गया; उन्होंने दो गेम पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए एलेक्सिस लेब्रुन को हराया।

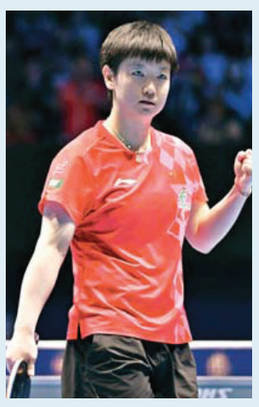

[ असफलता ] उपयोग किए गए कुल पानी में से 28.23 फीसदी को दोबारा उपयोग योग्य बनाया जा सका

# सीवेज संयंत्र कुल क्षमता का केवल एक तिहाई से कम मलजल कर रहे साफ

■ अधिकतर शहरों में अपशिष्ट सीधे नदियों में बहाया जा रहा

भोपाल (नगर संवाददाता)

राज्य में जरूरत के अनुरूप गंदा बहाव/ मलजल ( सीवेज) का उपचार नहीं हो पा रहा है। यहां गंदे बहाव के उपचार के लिए लगाये गये प्लांट क्षमता का केवल 28.23 प्रतिशत ही जल पुनर्चक्रण कर पा रहे हैं। इसका सीधा अर्थ है कि उपयोग किये गये पानी में से केवल 28.23 प्रतिशत पानी को ही शुद्ध करके दोबारा उपयोग योग्य बनाया जा सका है। शेष पानी भू-जल और प्राकृतिक जल स्रोतों को प्रदूषित कर रहा है। यह स्थिति पर्यावरण के लिहाज से बेहद खतरनाक है। हालांकि इस ओर जिम्मेदार एजेंसियों ने आंखें बंद कर रखी हैं।

इंदौर, भोपाल ,जबलपुर, उज्जैन और ग्वालियर के पानी को दोबारा उपयोग योग्य बनाने के लिए लगे प्लांट पूरी क्षमता से अपना काम नहीं कर पाये हैं। ऐसा नहीं है कि सरकार मलजल बहाव को साफ करने के लिए पैसा नहीं कर रही। असल स्थिति ये है कि सरकार अमृत 2.0 योजना के माध्यम से शहरी जलमल को शुद्ध करने पर करोड़ों रूपये खर्च कर रही है।

मध्यप्रदेश के सभी शहरी निकाय क्षेत्रों में 1085.54 एमएलडी की सीवेज शोधन क्षमता स्थापित है। बावजूद इसके इनमें मात्र 306.48 एमएलडी जल ही दोबारा उपयोग योग्य हो पा रहा है। यह कुल स्थापित क्षमता के मुकाबले यह मात्र 28.23 प्रतिशत से अधिक नहीं है।

### बड़े शहरों की यह है स्थिति

| निकाय | एसटीपी क्षमता | एसटीपी उपयोग | पुनर्चक्रित जल | पुनर्चक्रित जल प्रतिशत |
|---|---|---|---|---|
| भोपाल | 177.6 | 105.26 | 87.38 | 49.20 |
| इंदौर | 77 | 55.65 | 32.61 | 42.35 |
| जबलपुर | 82.6 | 29.57 | 6.5 | 7.86 |
| ग्वालियर | 218 | 100.95 | 100.95 | 46.10 |
| उज्जैन | 83 | 70 | 14 | 16.86 |

*स्रोत : प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड मप्र, आंकड़े एमएलडी में )*

### इसलिए जरूरी है सीवेज ट्रीटमेंट

नगरीय प्रशासन विभाग से मिली आधिकारिक जानकारी के मुताबिक राज्य शहरी क्षेत्र में निवासरत परिवारों में मात्र 20 प्रतिशत ही सीवर नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। जबकि 52 प्रतिशत से अधिक सेप्टिक टैंक व्यवस्था पर निर्भर हैं। इन टैंकों से निकलने वाला गंदा पानी गंदगी फैलाने के साथ पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहा है। हालांकि सरकार द्वारा अमृत योजना और स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के तहत सीवेज ढांचे को मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन कार्यों की धीमी गति चिंता का विषय बनी हुई है।

**भविष्य की आवश्यकता है पानी का पुनर्चक्रण ...** गिरते भू-जल स्तर के बीच शहरों में बढ़ती पानी की खपत को देखते हुए पानी का पुर्नचक्रण भविष्य की आवश्यकता मानी जा रही है। पर्यावरणविशेषज्ञों का कहना है कि यदि घरेलू गंदे पानी का वैज्ञानिक तरीके से शोधन कर उसे पुन : उपयोग योग्य बनाकर इसे न केवल उद्योग, बागवानी और सिंचाई कार्यों में किया जा सकता बल्कि इससे नदियों और झीलों के प्रदूषण में भी कमी आएगी।

# अर्जुन नगर में चली जेसीबी 38 पक्के निर्माण किए ध्वस्त

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी के अयोध्या बायपास को टेन लेन में बदला जा रहा है। प्रोजेक्ट में बाधक बन रहे निर्माण दुकानें, मकान, धार्मिक स्थल और सरकारी भवन को हटाया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को अर्जुन नगर से कुल 38 पक्की झुग्गियां हटाई गई हैं। यहां रह रहे परिवारों को जमुनिया ग्राम पंचायत के गांव लालपुरा में शिफ्ट किया गया है।

कुछ परिवारों ने विरोध भी किया लेकिन प्रशासन ने उनकी नहीं सुनी। 8 घंटे तक चली कार्रवाई में जेसीबी से पक्के निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया। विरोध की आशंका के कारण पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी।

गोविंदपुरा एसडीएम भुवन गुप्ता ने बताया कि झुग्गी में रह रहे परिवारों को पहले ही नोटिस दिए जा चुके थे। वहीं, शनिवार को पूरे इलाके में अनाउंसमेंट भी कराया गया था। कई लोगों ने स्वयं ही अपने मकान खाली कर दिए थे। जिन लोगों ने मकान खाली नहीं किए उनको हटाया गया है। इधर बागमुगालिया में विरोध जारी रहा। दीपक नगर बावड़ियाकलां स्थित एक झुग्गी बस्ती को बाग मुगालिया एक्सटेंशन में शिफ्ट करने का रविवार को भी जमकर विरोध हुआ। बस्ती में रहने वाले 35 परिवारों को वहां शिफ्ट किया गया। पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि ग्रीनबेल्ट में शिफ्टिंग की गई है। कई लोग शिफ्टिंग का विरोध करते हुए मैदान में उतर गए। पर्यावरणविद् एवं एक्सटेंशन के रहवासी उमाशंकर तिवारी ने बताया कि दीपक नगर बस्ती में परिवार करीब 32 साल से रह रहे थे। शनिवार को कोलार एसडीएम और तहसीलदार ने इन्हें बाग मुगालिया एक्सटेंशन में श्मशान घाट के सामने खाली पड़ी जगह पर शिफ्ट कर दिया था।

यहां सैकड़ों पेड़ लगे हैं। वहीं हाईटेंशन लाइन गुजरी है जिसका रहवासियों को खतरा है। बाग मुगालिया एक्सटेंशन कॉलोनी विकास समिति ने भी शिफ्टिंग पर विरोध जताया। रविवार को प्रदर्शन के दौरान लोगों ने पेड़ कटेंगे, हम कटेंगे के नारे भी लगाए।

### परिवारों को किया लालपुरा में शिफ्ट

## मध्य प्रदेश में सर्वाधिक 10 लाख से अधिक किसानों से गेहूं खरीदी

देश में इस साल पंजाब के बाद सर्वाधिक गेहूं उपार्जन मप्र में होने जा रहा है। मप्र में अब तक 10 लाख से अधिक किसानों से 63 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा गेहूं का उपार्जन किया जा चुका है। प्रतिदिन लगभग 5 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन हो रहा है। उपार्जन की गति से स्पष्ट है कि 23 मई तक लगभग 100 लाख मीट्रिक टन के लक्ष्य को पूरा कर लिया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से 78 लाख मीट्रिक टन गेहूं के उपार्जन लक्ष्य को केन्द्र सरकार द्वारा 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया है। गेहूं का उपार्जन 23 मई तक किया जाएगा। अभी तक 14 लाख 83 हजार किसानों द्वारा गेहूं उपार्जन के लिए स्लॉट बुकिंग कराई जा चुकी है। किसानों को 11623.43 करोड़ रुपए का भुगतान भी किया जा चुका है। आंकड़ों के अनुसार हरियाणा में अभी तक 9.10 लाख किसान, पंजाब में 7.5 लाख किसान, उत्तर प्रदेश में 2 लाख किसान और राजस्थान में 1.67 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं। वहीं मप्र में अभी तक 10 लाख से अधिक किसान उपार्जन प्रक्रिया में लाभान्वित हो चुके हैं।

### 15 तक होंगे पंजीयन, 20 को जारी होगी आवंटन सूची

**भोपाल, प्रसं।** प्रदेश में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्नातक एवं स्नातकोत्तर की प्रवेश प्रक्रिया क्रमश: एक और 2 मई को शुरू हो चुकी है। उच्च शिक्षा विभाग के ई-प्रवेश पोर्टल के माध्यम से प्रवेश के लिये पंजीयन कराने के लिएअभी तक विभिन्न स्नातक, स्नातकोत्तर एवं एनसीटीई पाठ्यक्रमों में कुल 60 हजार से ज्यादा पंजीयन हो गए हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे प्रथम चरण के पंजीयन की अंतिम तिथि 15 मई से पूर्व अपना पंजीयन, दस्तावेज सत्यापन एवं चॉइस फिलिंग की प्रक्रिया पूर्ण कर लें। प्रथम चरण की आवंटन सूची 20 मई को ई-प्रवेश पोर्टल पर जारी की जाएगी।

## भीषण गर्मी में सूने पड़े पार्क और सड़कें

बड़ा तालाब सैलानियों के लिए पर्यटन स्थल है, लेकिन इन दिनों लू चलने और भीषण गर्मी के कारण पार्क और सड़कें सूनी दिखाई दे रहीं हैं। **फोटो : विपिन यादव**

# आत्मघात : छात्रा की मौत के बाद अब मकान मालिक ने भी की आत्महत्या

**पत्नी बोली बार-बार नोटिस देकर थाने बुलाकर होने वाली पूछताछ से परेशान चल रहे थे पति**

■ एसआईटी के तौर तरीकों पर खड़े किए सवाल

भोपाल (नगर संवाददाता)

कोहेफिजा में तीन महीना पूर्व खुदकुशी करने वाली गांधी मेडिकल कॉलेज की छात्रा रोशनी कुलेश के मामले में नया मोड़ पुलिस के सामने आ गया। उसके मकान मालिक ने अब फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली है। छात्रा के परिजन समेत कई अन्य लोग मकान मालिक को संदेह के दायरे में लाकर पुलिस पर कार्रवाई न करने पर सवाल खड़े कर रहे थे। जिस कारण मामले की जांच के लिए एसआईटी पुलिस अधिकारियों ने गठित की थी। इधर, पत्नी ने एसआईटी के तौर-तरीकों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

### यह है पूरा मामला

मृतक रोशनी कुलेश

मृतक विजय राठौर

गांधी मेडिकल कॉलेज की छात्रा रोशनी कुलेश प्रथम वर्ष की छात्रा थी। वह मूलत : आलीराजपुर जिले की रहने वाली थी। उसने 09-10 फरवरी की दरमियानी रात फिनायल पीकर खुदकुशी की थी। पुलिस को प्राथमिक जांच में प्रथम सेमेस्टर का पेपर बिगड़ने की बात सामने आई थी। जबकि उसके पिता बंतर सिंह कुलेश का आरोप था कि जीएमसी प्रबंधन और हॉस्टल मालिक ने तथ्यों की जानकारी देरी से दी और उसमें काफी विरोधाभास था। छात्रा किराए के कमरे में वैष्णवी मंडलोई के साथ बीडीए कॉलोनी में रहती थी। यहां अन्य कामकाजी युवक-युवतियों के अलावा अन्य कॉलेजों के भी छात्र रहते हैं। सभी लोगों ने मिलकर कोहेफिजा थाने का घेराव भी किया था। जिसकी जांच के लिए पुलिस ने एसआईटी का गठन किया था।

### अवसाद में आ गए थे

रोशनी कुलेश बीडीए कॉलोनी में विजय राठौर के मकान में किराए से रहती थी। उनकी खुदकुशी के बाद पत्नी करुणा राठौर का आरोप है कि छात्रा के परिवार की तरफ से जिस तरह के आरोप लगाए जा रहे थे उससे वह काफी अवसाद में आ गए थे। पुलिस को किसी तरह का सुसाइड नोट नहीं मिला है। तीन महीने के भीतर एक ही मकान में हुए दोहरे आत्महत्या कांड को लेकर पुलिस नए सिरे से विवेचना की बात बोल रहे हैं।

## 10 लाख से अधिक किसानों से गेहूं खरीदा

भोपाल। देश में गेहूं उपार्जन के मामले में मध्यप्रदेश अब लगातार आगे बढ़ रहा है। इस वर्ष पंजाब के बाद सर्वाधिक गेहूँ उपार्जन मध्यप्रदेश में होने जा रहा है। मध्यप्रदेश में अब तक 10 लाख से अधिक किसानों से 63 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है। प्रतिदिन लगभग 5 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है। शनिवार 9 मई को ही 4 लाख 86 हजार मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन हुआ है। उपार्जन की गति के दृष्टिगत स्पष्ट है कि 23 मई तक लगभग 100 लाख मीट्रिक टन के लक्ष्य को पूरा कर लिया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से 78 लाख मीट्रिक टन गेहूँ के उपार्जन लक्ष्य को केन्द्र सरकार द्वारा 100 लाख मीट्रिक टन कर दिया गया है।

# अपराध: छात्रों को गांजा बेचने वाले दो गिरफ्तार

## कमीशन पर बेच रहे थे माल, दो महीने पहले भी पकड़ा गया था आरोपी

भोपाल (नगर संवाददाता)

स्कूल-कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों को गांजा बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई बागसेवनिया और रातीबड़ थाना पुलिस ने की है। एक आरोपी तो दो महीना पूर्व भी गांजा बेचते पकड़ा चुका है। पुलिस उनको माल मुहैया कराने वाले बड़े रैकेट की जानकारी जुटा रही हैं।

बागसेवनिया थाना पुलिस के अनुसार अहमदपुर नर्सरी के पास से दीपक ठाकुर पिता सुमेर सिंह ठाकुर उम्र 22 साल को गिरफ्तार किया गया। वह गिरी मोहल्ला का रहने वाला है। उसके कब्जे से पुलिस को 203 ग्राम गांजा बरामद हुआ। दीपक ठाकुर मार्च, 2026 में भी एक किलो दो सौ ग्राम गांजे के साथ पकड़ा चुका है। वह जमानत में छूटकर कुछ दिनों पहले ही आया है। दीपक ठाकुर ने पूछताछ में बताया है कि उसे यह माल शैलू कंजर ने बेचने पर कमीशन मिलने का लालच देकर दिया था। पुलिस ने एनडीपीएस का प्रकरण दर्ज करके मामले में उसको भी आरोपी बनाया है। फिलहाल वह फरार चल रहा है। मामले की जांच एएसआई गंगाराम वर्मा कर रहे हैं।

### कॉलेज मैदान के पास बेच रहा था गांजा

इधर, रातीबड़ थाना पुलिस ने विशाल श्रीवास्तव उर्फ चिरांटा पिता दीपक श्रीवास्तव उम्र 27 साल को गिरफ्तार किया है। आरोपी नाथू बरखेड़ा का रहने वाला है। पुलिस ने उसके कब्जे से 126 ग्राम गांजा बरामद किया। विशाल श्रीवास्तव उर्फ चिरांटा गांजे को बाइक में छुपाकर ले जा रहा था। वह मिलेनियम कॉलेज के पास मैदान में गांजा सप्लाई करने जा रहा था। यह सप्लाई कमीशन पर उसे अनूप भट्ट ने देने के लिए

बोला था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस के तहत प्रकरण दर्ज कर लिया है। अभी अनूप भट्ट की गिरफ्तारी नहीं हुई है वह क्षेत्र का निगरानी गुंडा भी है। ममाले की जांच एसआई गौरव पांडेय कर रहे हैं।

एक साल से जल संकट की मार झेल रही मांडवा बस्ती

# विडंबना : तीन दिन में एक बार पहुंच रहा पीने का पानी

■ भीषण गर्मी में तीन हजार आबादी परेशान

भोपाल (नगर संवाददाता)

इसे विडंबना ही कहा जायेगा कि राजधानी के भदभदा रोड स्थित मांडवा बस्ती में पिछले एक साल से पेयजल संकट गहराया हुआ है। करीब तीन हजार की आबादी वाली इस बस्ती में नियमित जलापूर्ति की कोई स्थायी व्यवस्था नहीं है। पेयजल संकट के हालात इतने सोचनीय हैं कि यहां रहने वाले लोगों को तीन दिन में एक बार आने वाले पानी के टैंकर पर निर्भर रहना पड़ रहा है। इससे लोगों की कठिनाइयों का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है।

### टैंकर आते ही मचती है अफरा-तफरी

पानी का टैंकर आने वाले दिन पूरी बस्ती में अफरा-तफरी जैसे हालात बन जाते हैं। महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग बाल्टी, ड्रम और डिब्बे लेकर घंटों सड़क किनारे इंतजार करते हैं। टैंकर पहुंचते ही पानी भरने के लिए लंबी कतारें लग जाती हैं। लोगों का कहना है कि सीमित पानी में पीने, खाना बनाने और अन्य जरूरतों को पूरा करना बेहद मुश्किल हो गया है।

बस्ती के रहवासियों का कहना है कि नगर निगम ने कुछ समय पहले पानी की समस्या दूर करने के लिए यहां बोरिंग करवाई थी, लेकिन उसमें दूषित और बदबूदार पानी आने लगा। लोगों ने इसकी शिकायत की तो करीब एक साल पहले बोरिंग बंद कर दी गई। इसके बाद से अब तक कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई। बस्ती में अधिकांश घरों में नल कनेक्शन नहीं हैं और न ही पाइपलाइन से नियमित जलापूर्ति होती है। ऐसे में लोगों के सामने रोजमर्रा की जरूरतों के लिए पानी जुटाना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। टैंकर आने के दिन पूरी बस्ती में अफरा-तफरी जैसी स्थिति बन जाती है। महिलाएं, बुजुर्ग, पुरुष और बच्चे बाल्टी, ड्रम, डिब्बे और अन्य बर्तन लेकर सड़क किनारे घंटों इंतजार करते हैं। टैंकर पहुंचते ही पानी भरने के लिए लंबी बर्तनों की कतारें लग जाती हैं। रहवासियों का कहना है कि सीमित पानी में पीने, खाना बनाने और दैनिक उपयोग की जरूरतें पूरी करना बेहद मुश्किल हो रहा है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने कई बार नगर निगम और संबंधित अधिकारियों से शिकायत की, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। किसी भी अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर स्थायी समाधान की दिशा में गंभीर पहल नहीं की है।

### शिकायतों के बाद भी नहीं मिली राहत

स्थानीय लोगों ने बताया कि कई बार नगर निगम और संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं। किसी अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर स्थायी समाधान की दिशा में गंभीर पहल नहीं की। रहवासियों ने मांग की है कि बस्ती में जल्द पाइपलाइन बिछाकर नियमित जलापूर्ति शुरू की जाए और बंद पड़ी बोरिंग की जांच कर उसे दोबारा चालू कराया जाए।

# कार्रवाई : मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में लापरवाही पर थाना प्रभारी लाइन हाजिर

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी के कोतवाली थाना प्रभारी लाइन हाजिर कर दिए गए। उन्हें मुख्यमंत्री की मशाल जुलूस के दौरान ड्यूटी में लापरवाही बरतने पर कुर्सी गंवाना पड़ी। इस मामले की गोपनीय जांच एडीसीपी जोन-3 शालिनी दीक्षित ने की थी। जिसके बाद डीसीपी जोन-3 आयुष गुप्ता ने निर्णय लिया। जिसमें कई तरह की तकनीकी खामियां पाई गई थी। इसे देखते हुए कोतवाली थाना प्रभारी कांशीराम कुशवाहा को लाइन हाजिर कर दिया गया। एडीसीपी की रिपोर्ट में सामने आया है कि मशाल जुलूस मार्ग पर यातायात और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी सक्रिय नहीं थे।

जिन वाहनों को रास्ते से हटाना था उसको लेकर भी कोई निर्णय नहीं लिया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले कोतवाली एसीपी रहीं अनिता प्रभा को भी जुलूस मार्ग के दौरान निर्धारित ड्यूटी से नदारद रहने पर हटाया गया था। उनके खिलाफ एक कारोबारी ने भी पुलिस मुख्यालय में शिकायत की थी। उस मामले की भी जांच एडीसीपी जोन-3 शालिनी दीक्षित ने ही की थी।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)